● वर्ष : 17 ● अंक : 220 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

रविवार 31 मई 2026

बंगाल में सांसद अभिषेक बनर्जी का जबरदस्त विरोध

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंडे और जूते फेंके तथा कथित तौर पर धक्का-मुक्की की भी खबरें सामने आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोनारपुर में प्रवेश के दौरान अभिषेक बनर्जी चारपहिया वाहन छोड़कर मोटरसाइकिल से आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनका रास्ता घेर लिया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर क्रिकेट हेलमेट पहन लिया और अपना कार्यक्रम जारी रखा। बताया जा रहा है कि विरोध के दौरान उन पर अंडे और जूते भी फेंके गए तथा उनकी शर्ट के बटन टूट गए। अभिषेक बनर्जी के सोनारपुर पहुंचने से पहले ही विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। कई लोग काले झंडे लेकर

अंडे-जूते फेंके गए, लगे 'चोर-चोर' के नारे

"गो बैक" के नारे लगा रहे थे। पाटुली के ढालाई ब्रिज से लेकर सोनारपुर के कामराबाद क्षेत्र तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने की सूचना है। विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के लगभग तीन सप्ताह बाद यह अभिषेक बनर्जी का पहला बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम था। वह सोनारपुर और बेलेघाटा क्षेत्रों में चुनाव बाद हिंसा से प्रभावित तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने पहुंचे थे। इस बीच, शनिवार दोपहर राज्य की अपराध जाँच विभाग (सीआईडी) की एक टीम अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास भी पहुंची। बताया गया कि यह कार्रवाई तृणमूल विधायकों के हस्ताक्षर संबंधी एक मामले की जांच के सिलसिले में की गई। हालांकि, उस समय अधिकारियों को बताया गया कि अभिषेक आवास पर मौजूद नहीं हैं। बाद में बेलियाघाटा से तृणमूल विधायक कुणाल घोष ने दावा किया कि अभिषेक उस समय उनके राममोहन राय रोड स्थित आवास पर मौजूद थे। सोनारपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहा और सुरक्षा व्यवस्था संभालता रहा। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल और अधिक गर्मा गया है। पुलिस ने मामले को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

पश्चिम बंगाल में लागू होगा एनएचएम, केंद्र ने मंजूर किए 2103 करोड़ : मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) लागू किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 2103 करोड़ की मंजूरी दी है, जिनमें से 527 करोड़ रुपये की पहली किस्त राज्य को प्राप्त हो चुकी है। कोलकाता में स्वास्थ्य विभाग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र से प्राप्त धनराशि का उपयोग स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना के तहत 1.36 करोड़ से अधिक परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार: आर्मी चीफ

पुणे/दिल्ली । सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल संघर्ष विराम जैसी स्थिति है। जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत किसी भी उकसावे पर कैसे जवाब देता है। आज पास होने वाले अफसर अपने करियर की शुरुआत से ही इस बेंचमार्क को बनाए रखें। आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट में सुखोई, चेतक हेलिकॉप्टर, सारंग हेलिकॉप्टर एरोबेटिक्स टीम और आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने हिस्सा लिया। आधुनिक युद्ध पारदर्शी हो गया है। 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। ऐसे में सैनिकों की तैनाती, ऑपरेशन और बॉर्डर के पास बसे नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

नीट परीक्षा में सेना की सहायता : सरकार की असफलता?

देश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल नीट को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। पिछले तीन वर्षों से नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आती रही है। इसमें लाखों परीक्षार्थी शामिल होते हैं। परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताएँ और लाखों छात्रों के भविष्य पर मंडराते संकट के बीच अब सरकार सेना और वायुसेना की सहायता लेने की खबर आई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और नीट परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और निगरानी के लिए सरकार सैन्य संसाधनों का उपयोग करने जा रही है। इसके पहले कभी भी सेना का उपयोग इस तरह से नहीं हुआ है। पिछले 75 वर्षों के इतिहास में जब कानून व्यवस्था की स्थिति में बहुत जरूरत होने पर ही सेना को कुछ समय के लिए तैनात किया जाता है। पहली बार परीक्षा मे सेना और वायु सेना का उपयोग होने की बात सामने आ रही है। यह निर्णय दो तरह के प्रश्न खड़े करता है। पहला, क्या सरकार की नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र बार-बार लीक हो रहे हैं, उसकी गंभीरता और समस्या से निपटने के लिए लिया गया है? दूसरा, क्या यह सरकार ने मान लिया है संबंधित मंत्रालय और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था, प्रशासन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल है?

सरकार और उसके समर्थकों का तर्क है, लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य की रक्षा के लिए सेना की मदद ली जा रही है, इसमें गलत क्या है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के परीक्षा परिणाम को लेकर भी लाखों छात्रों का भविष्य अंधकार में हो गया है। सरकार शायद इस बात से घबरा गई है कि नीट पेपर लीक और सीबीएसई परीक्षा परिणाम को लेकर लाखों छात्र सड़क पर उतरकर अपना विरोध जाता रहे हैं।

इस विरोध को दबाने के लिए तथा परीक्षार्थियों का विश्वास बना रहे। हाल के वर्षों में पेपर लीक और संगठित नकल गिरोहों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को लगभग समाप्त कर दिया है। इस स्थिति में छात्रों और युवाओं के विरोध को नियंत्रित करने के लिए सरकार सेना की विश्वसनीयता का सहारा लेकर इस विवाद को शांत करने की कोशिश कर रही है। छात्रों और अभिभावकों का मानना है, परीक्षा आयोजित करने की जिन्हें जिम्मेदारी दी गई है उसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने के कारण तथा प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से चयनित कर करोड़ों रुपए की कमाई करने का यह नया धंधा शुरू हो गया है और यह सरकार की मिलीभगत से ही संभव हो पा रहा है। इसलिए छात्रों और अभिभावकों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर यह सवाल भी उठने लगा है कि जब परीक्षा तक सरकार नहीं करा पा रही है, और दावे किए जा रही, अब इसको लेकर सरकार की आलोचना बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्त हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली। देश के दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान शनिवार को सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर नई दिल्ली में उन्हें भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना की ओर से संयुक्त रूप से गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। यह समारोह उनके चार दशक से अधिक लंबे और गौरवशाली सैन्य जीवन के सम्मान में आयोजित किया गया। सेवानिवृत्ति के अवसर पर जनरल चौहान ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आयोजित समारोह में तीनों सेनाओं के जवानों ने उन्हें औपचारिक सलामी दी। इस मौके पर जनरल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाओं के संयुक्त गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सैन्य सेवा से विदाई लेना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने अपने सैन्य जीवन के दौरान मिले सहयोग और विश्वास के लिए सशस्त्र बलों तथा देशवासियों का आभार व्यक्त किया। जनरल अनिल चौहान वर्ष 1981 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई अहम अभियानों एवं रणनीतिक निर्णयों में योगदान दिया। उन्हें देश की सैन्य व्यवस्था में संयुक्तता और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा पदक सहित अनेक प्रतिष्ठित सैन्य सम्मानों से अलंकृत किया गया।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने दी गोवा राज्य स्थापना दिवस की बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने गोवा स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास यात्रा की सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा कि गोवा न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि शिक्षा, प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और सतत विकास के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ गोवा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने ने राज्यवासियों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह दिन गोवा की पहचान और प्रगति के लिए अथक परिश्रम करने वाले सभी लोगों को कृतज्ञतापूर्वक याद करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि गोवा निरंतर प्रगति करता रहे और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे। प्रधानमंत्री ने गोवा के लोगों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने गोवा की मातृभाषा में भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गोवा के राज्य स्थापना दिवस पर सभी लोगों को बधाई। उन्होंने गोवा की संस्कृति, विरासत और जनजीवन की सराहना की। साथ ही राज्य के विकास और समृद्धि की प्रार्थना की।

राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी टिफनी ने मोहब्बत की निशानी ताजमहल का किया दीदार

आगरा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी ट्रम्प ने शनिवार को मुगल बादशाह के बनवाए मोहब्बत की निशानी ताजमहल का दीदार किया। होटल अमर विलास पहुंचते ही, उन्होंने पहले ताजमहल देखने की इच्छा जताई। सुरक्षा एजेंसियों ने इस पर तत्काल उनकी विजिट की व्यवस्था की। टिफनी ने ताजमहल को अद्भुत और अनोखा बताया और कहा कि दुनिया में इसकी कोई मिसाल नहीं। बता दें निजी यात्रा पर आईं टिफनी के साथ उनके पति माइकल बाउलस भी आए हैं। दोनों ने सेंट्रल टैंक पर बेंच पर बैठकर हाथों में हाथ डालकर फोटो शूट कराया। टिफनी चार्टर्ड प्लेन से शनिवार सुबह दिल्ली से खेरिया एयरपोर्ट पर उतरीं। यहां से वह ताजमहल के पूर्वी गेट स्थित होटल अमर विलास पहुंची। उनका लंच के बाद शाम पांच बजे ताजमहल देखने का कार्यक्रम था। होटल पहुंचने के बाद गायक व मॉडल टिफनी ने लंच से

पहले ताजमहल देखने की इच्छा जता दी। इस पर तुरंत ताजमहल जाने की व्यवस्था की गई। रिपोर्ट के मुताबिक टिफनी सुबह 11:50 पर ताजमहल पहुंचीं। फोरकोर्ट से ताजमहल नजर आते ही वह उसकी खूबसूरती देखकर बहुत खुश नजर आईं। गाइड ने उन्हें शाहजहां द्वारा मुमताज की याद में ताजमहल बनवाने, ताजमहल का निर्माण 22 सालों में 20 हजार मजदूरों द्वारा करने, औरंगजेब द्वारा शाहजहां को आगरा किला में बंदी बनाने और वहीं उसकी मौत होने की जानकारी दी।

ईरान ने दिया हमले का जवाब, अमेरिकी एयरबेस पर मिसाइल दागीं, कई सैनिक घायल

एजेंसी। दोहा

ईरान ने अमेरिका के हालिया हमलों के जवाब में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कई अमेरिकी सैनिकों के घायल होने की खबर है। इसके अलावा दो एमक्यू-9 रीपर ड्रोन भी डैमेज हुए हैं। दोनों देशों के बीच नाजुक युद्धविराम अब टूटने की कगार पर है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि गुरुवार सुबह उसके बलों ने उस अमेरिकी एयर बेस को निशाना बनाया, जिससे रात में ईरान के दक्षिणी हिस्से, खासकर बंदर अब्बास क्षेत्र में हमले किए गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह जवाबी कार्रवाई आक्रामक

अमेरिका के दो बेहद अहम एमक्यू-9 रीपर स्ट्राइक ड्रोन को पहुंचा भारी नुकसान

अमेरिकी हमले के खिलाफ थी। अमेरिकी अधिकारियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के अंदर ईरान ने कुवैत में स्थित अली अल सलेम एयर बेस पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। हालांकि, कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की मिसाइल को हवा में ही रोक दिया, लेकिन मिसाइल का मलबा एयर बेस में गिरा। मलबा गिरने और आंशिक प्रभाव से अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के दो बेहद अहम एमक्यू-9 रीपर स्ट्राइक ड्रोन को भारी नुकसान पहुंचा है। इनमें से एक ड्रोन पूरी तरह नष्ट हो गया है, जबकि कम से कम एक अन्य बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया । एक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की कीमत करीब 3 करोड़ डॉलर है। बता दें रीपर ड्रोन अमेरिकी रक्षा प्रणाली का बेहद अहम हिस्सा हैं, जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से खुफिया निगरानी और अचूक हवाई हमलों के लिए किया जाता है। इन ड्रोन्स का डैमेज होना अमेरिकी सेना के लिए बड़ा झटका है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में शुक्रवार को अपने सलाहकारों के साथ बैठक की लेकिन ईरान के साथ युद्धविराम की अवधि बढ़ाने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने संबंधी प्रस्तावित समझौते पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं किया है।

केंद्र सरकार ने कपास के आयात पर सीमा शुल्क हटाया

नई दिल्ली। भारतीय कपड़ा क्षेत्र में कपास की उपलब्धता बढ़ाने और बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार ने कपास के आयात पर लगने वाले सभी सीमा शुल्क तथा कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से अस्थायी रूप से पूर्ण छूट देने की घोषणा की है। कपड़ा मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) द्वारा लागू किया गया यह प्रावधान 1 जून, 2026 से प्रभावी होगा और 31 अक्टूबर, 2026 तक लागू रहेगा। सरकार का कहना है कि इस अस्थायी छूट का मुख्य उद्देश्य घरेलू बाजार में कपास की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि उद्योग को कच्चे माल की कमी का सामना न करना पड़े। इस कदम से कपड़ा और परिधान क्षेत्र की उत्पादन लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका सीधा लाभ निर्माताओं के साथ-साथ उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। इस निर्णय से विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि ये इकाइयाँ कपड़ा क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भारत सेना को बना रहा आधुनिक, अमेरिका भी साथ मिलकर कर रहा कामः हेगसेथ

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत तेजी से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के साथ सेना को आधुनिक बना रहा है। अमेरिका भी भारत के साथ मिलकर रक्षा उत्पादन और नई तकनीकों पर काम कर रहा है। सिंगापुर में एक कार्यक्रम में हेगसेथ ने कहा कि भारत हाई-एंड सैन्य ऑपरेशन संभालने के लिए मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षमता तैयार कर रहा है। भारत खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हेगसेथ ने कहा कि एशिया-प्रशांत

क्षेत्र दुनिया का सबसे अहम इलाका बन चुका है और यहां सुरक्षा बनाए रखने में अमेरिकी सेना की बड़ी भूमिका है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा तैयारियों में ज्यादा निवेश करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर हुए हैं, लेकिन कोई भी देश क्षेत्र में दबदबा नहीं बना सकता।

पीएम-सेतु योजना के तहत पहली निवेश योजना को मंजूरी, आंध्र प्रदेश बना उद्योग साझेदारी लागू करने वाला पहला राज्य

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं उद्यमिता रूपांतरण योजना (पीएम-सेतु) के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया द्वारा प्रस्तुत विशाखापट्टनम आईटीआई क्लस्टर की स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को मंजूरी दे दी है। यह पीएम-सेतु योजना के अंतर्गत स्वीकृत होने वाली पहली निवेश योजना है। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश उद्योग साझेदारी मॉडल को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अनुसार, नई दिल्ली स्थित कौशल भवन में आयोजित एक उच्चस्तरीय

बैठक में इस योजना को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक की अध्यक्षता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने की। इसमें प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के महानिदेशक दिलीप कुमार, राष्ट्रीय संचालन समिति के सदस्य, क्षमता निर्माण आयोग, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के अलावा उद्योग जगत की प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, हीरो मोटोकॉर्प, बजाज ऑटो, आईटीसी लिमिटेड तथा आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया के प्रतिनिधि शामिल थे। इसके अलावा एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोगी भी बैठक में मौजूद रहे। मंत्रालय ने बताया कि आंध्र प्रदेश पीएम-सेतु योजना के तहत एंकर इंडस्ट्री पार्टनर को शामिल करने वाला पहला राज्य बन गया है।

राजस्थान में रेतीले बवंडर का कहर, दिन में छाया अंधेरा

एजेंसी। जयपुर

- 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी
- पेड़ और बिजली पोल गिरे, सीमा से सटे इलाकों में सबसे अधिक असर

राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को आए भीषण रेतीले तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर जिलों में दोपहर के समय तेज रेतीला बवंडर उठने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि इसका प्रभाव लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र से हुई, जिसके बाद यह तेजी से आसपास के जिलों में फैल गया। इस दौरान 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। धूल और रेत के घने गुबार के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को दिन के समय भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा।

तूफान के वीडियो हुए वायरल : तूफान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग तेज हवाओं और धूल से बचने के लिए घरों और दुकानों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना व्यापक और घना रेतीला तूफान नहीं देखा। कुछ लोगों के अनुसार धूल का गुबार 80 से 100 फीट तक ऊंचा दिखाई दे रहा था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

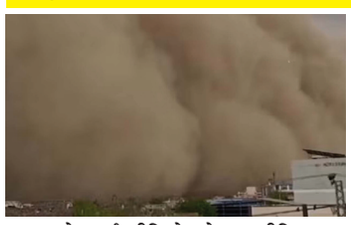

पेड़े जड़ से उखड़े : तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ जड़ समेत उखड़ गए और बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह रेतीला तूफान पाकिस्तान की ओर से उठी धूलभरी हवाओं के प्रभाव के कारण राजस्थान के सीमावर्ती जिलों तक पहुंचा। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी है। अगले कुछ घंटों तक क्षेत्र में तेज हवाओं और मौसम में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

दिल्ली में बड़े आतंकी साजिश का पर्दाफाश, नौ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपितों को दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के जवानों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिलने के बाद स्पेशल सेल ने गुप्त अभियान चलाकर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तान स्थित हैंडलरों और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के संपर्क में थे। इनकी गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपितों ने अब तक किस स्तर तक साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर ली थी और इनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस संबंध में स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त आज शाम 4 बजे इस मामले की विस्तृत जानकारी देंगे।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

स्वस्थ नागरिक ही 'विकसित दिल्ली' की मजबूत नींव : तरनजीत

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पास उत्तरी रिज स्थित बोंटा पार्क में मॉर्निंग वॉक करते हुए लोगों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पार्कों के रखरखाव एवं सुविधाओं पर लोगों से फीडबैक लिया।उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ नागरिक, बेहतर सार्वजनिक स्थान और जनभागीदारी ही 'विकसित दिल्ली' की मजबूत नींव हैं। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए दिल्ली के हरित क्षेत्रों (ग्रीन लंग्स) को सुरक्षित एवं सुंदर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।उपराज्यपाल ने कहा कि पार्क में लोगों को व्यायाम और परिवारों को हरियाली के बीच समय बिताते देखकर बहुत अच्छा लगा। यह देखकर खुशी हुई कि दिल्ली के लोग अपने स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर कितने जागरूक हैं। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बातचीत के दौरान पार्क की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के के सुझाव और विचारों भी साझा किए। उन्होंने कहा कि लोगों के सुझाव हमारे सार्वजनिक स्थलों और दिल्ली को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उपराज्यपाल ने कहा कि हम दिल्ली के हरे-भरे क्षेत्रों को सुरक्षित रखने और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास है कि सभी पार्क और सार्वजनिक स्थान सभी लोगों के लिए साफ, सुंदर और सुविधाजनक बने रहें। उन्होंने सभी से मिलकर दिल्ली को एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित शहर बनाने में अपना योगदान देने की अपील की है।

केरल में 24 किलो मादक पदार्थ जब्त, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने केरल में ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए 24 किलोग्राम से अधिक नशीला पदार्थ जब्त करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार कोच्चि इकाई द्वारा समन्वित कार्रवाई में मेथाक्वालोन, मेथामफेटामाइन और हैशिश ऑयल सहित बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े गए। ये पदार्थ अवैध वितरण और तस्करी के लिए तैयार किए जा रहे थे। कार्रवाई कोच्चि, मलप्पुरम और तिरुवनंतपुरम में की गई। डीआरआई ने बताया कि तस्करी के अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिनमें हवाई अड्डे पर यात्री सामान, कुरियर पार्सल और निर्यात कार्गो में छिपाकर ले जाने की कोशिश शामिल थी।इससे पहले पिछले वित्त वर्ष में डीआरआई की कोच्चि जोनल इकाई ने लगभग 70.76 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए थे और एनडीपीएस मामलों में 21 लोगों को गिरफ्तार किया था।

मेरठ छावनी परिषद के सदस्य सतीश शर्मा तीन लाख की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मेरठ छावनी परिषद के नामित सदस्य सतीश कुमार शर्मा को तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।सीबीआई ने शनिवार को एक बयान में बताया कि शुक्रवार को तीन लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत में शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि शर्मा ने गांधी बाग, मेरठ छावनी में पार्किंग, कैंटीन और प्रवेश शुल्क से संबंधित टेंडर को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए शिकायतकर्ता से तीन लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता की मां के नाम से संचालित निजी फर्म को यह टेंडर मिला हुआ था। सीबीआई ने उसी दिन जाल बिछाकर शर्मा को शिकायतकर्ता से तीन लाख रुपये रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी को गाजियाबाद की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा।

नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही से बच रही सरकारः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों के बाद केंद्र सरकार को घेरा। खेड़ा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्चतम न्यायालय को सरकार को यह बताना पड़ रहा है कि उसे वही करना चाहिए जो उसकी जिम्मेदारी है।खेड़ा ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और सरकार निगरानी करने की बात कहकर स्थिति को मजाक बना रही है। लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है और कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शिक्षा मंत्री जवाबदेह हैं। अब जब कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र वायुसेना ले जाएगी तो अगर फिर लीक हुआ तो क्या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जिम्मेदार होंगे। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, ऐसी घटनाएं रुकेंगी नहीं। कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से पूछा कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) बड़े पैमाने पर परीक्षा कराता है, लेकिन वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। देशभर में 3 मई को एनईईटी-यूजी परीक्षा हुई थी। सात मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। इसके बाद 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। अब 21 जून को पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी।

सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली पर जयराम रमेश ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा में लागू की गई ऑन स्क्रीन अंकन (ओएसएम) प्रणाली को लेकर कहा कि इस प्रणाली को जल्दबाजी में लागू किया गया और इससे छात्रों व अभिभावकों में असमंजस पैदा हुआ है।रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि इसी साल 12वीं की परीक्षा देने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत की जांच और एक अन्य जांच में कई खामियां सामने आई हैं। सीबीएसई ने केवल 74 दिन पहले ओएसएम लागू करने का निर्णय क्यों लिया, जबकि इसके परीक्षण में 36 तकनीकी और मूल्यांकन संबंधी चिंताएं सामने आई थीं।उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया में बदलाव कर ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को छूट क्यों दी गई और क्या यह विशेष रूप से एक कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया। निविदा शर्तों में कंपनी का न्यूनतम टर्नओवर 50 करोड़ रुपये तय किया गया ताकि वही कंपनी पात्र हो सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि निविदा मानकों में कई बार बदलाव किए गए। जैसे- कैपेबिलिटी मैच्योरिटी मॉडल इंटीग्रेशन स्तर को लेवल-5 से घटाकर लेवल-3 करना, बड़े छात्र समूहों का अनुभव रखने वाले ठेकेदारों की बजाय छोटे अनुबंध वाले ठेकेदारों को प्राथमिकता देना और अपने डेटा सेंटर रखने वाले ठेकेदारों की बजाय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमोदित डेटा सेंटर वाले ठेकेदारों को वरीयता देना।

ज्वेलरी शॉप में 10 लाख की चोरी का खुलासा, चोरी के तीन शातिर आरोपित और तीन रिसीवर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले के कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने ज्वेलरी की दुकान में हुई बड़ी चोरी का पर्दाफाश करते हुए चोरी के तीन शातिर आरोपित समेत चोरी का माल खरीदने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 10 लाख रुपये से अधिक कीमत का सोना, चांदी, नकदी, हीरे और अन्य सामान बरामद किया है। मामले का खुलासा सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और लगातार की गई जांच के आधार पर हुआ।दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने शनिवार को बताया कि 10 मई को पंजाबी बाजार स्थित एक ज्वेलरी दुकान में सेंधमारी की सूचना मिली थी। दुकान मालिक शगुन वर्मा ने शिकायत में बताया कि 9 और 10 मई की रात अज्ञात चोर दुकान के ताले और शटर तोड़कर अंदर घुस गए और सोने-चांदी के आभूषण, हीरे तथा नकदी चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर कोटला मुबारकपुर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी से मिला सुराग, बंगाल भागने की थी तैयारी:जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें चोरी में इस्तेमाल किए गए वाहन के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की सूचना के आधार पर पता चला कि आरोपित दिल्ली छोड़कर पश्चिम बंगाल भागने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 18 मई को तीनों मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान 37 वर्षीय मसकूर, 36 वर्षीय बहारुल शेख और 32 वर्षीय आनंद मंडल उर्फ नागेश्वर के रूप में हुई है। तीनों शास्त्री पार्क इलाके के रहने वाले हैं। पूछताछ और पुलिस रिमांड के दौरान चोरी का माल खरीदने वाले जहांगीर, गुलफाम और मुमतियाज को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

कई राज्यों में दर्ज हैं दर्जनों मामले:पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित लंबे समय से चोरी और सेंधमारी की वारदातों में शामिल रहे हैं। मुख्य आरोपित मसकूर के खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं बहारुल शेख के खिलाफ हत्या, चोरी, सेंधमारी और आर्म्स एक्ट समेत 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। आनंद मंडल पर भी चोरी और डकैती के कई मामले दर्ज हैं।

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम:पुलिस के अनुसार आरोपित रात के समय ज्वेलरी दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की रेकी करते थे। कमजोर सुरक्षा वाली दुकानों को निशाना बनाकर ताले और शटर तोड़कर चोरी करते थे। चोरी के बाद सोने-चांदी के गहनों को पिघलाकर उनकी पहचान मिटा दी जाती थी और फिर रिसीवरों के माध्यम से बेच दिया जाता था। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपित लगातार अपने ठिकाने बदलते रहते थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 36.47 ग्राम पिघला हुआ सोना (कीमत करीब 5.11 लाख रुपये), 658 ग्राम पिघली हुई चांदी (कीमत करीब 1.63 लाख रुपये), चांदी के कटोरे, गिलास, चम्मच, बिछुए, अंगूठियां और अन्य सामान, 23 हीरे और जिरकॉन स्टोन, बैंक खाते में जमा 1.35 लाख रुपये फ्रीज, 1.30 लाख रुपये नकद, नकली ज्वेलरी के कई सेट और एक खिलौना पिस्तौल बरामद किए हैं।

चाबी बनाने के बहाने घर में घुसे, लाखों के गहने और नकदी उड़ाई, गुजरात से दबोचा गया शातिर चोर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी बर्गलरी सेल ने चाबी बनाने के बहाने घर में चोरी करने वाले एक शातिर चोर और उसके नाबालिग साथी को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर चोरी के गहनों की बिक्री से मिले 1.50 लाख रुपये नकद और चोरी की एक जोड़ी बालियां बरामद की हैं।दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि 28 अप्रैल को पालम विलेज थाना क्षेत्र में एक ई-एफआईआर दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसके घर में चाबी बनाने के बहाने आए दो लोगों ने अलमारी से जेवरात और एक लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर की रेकी की थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक पहले दिन दो युवक चाबी बनाने के बहाने घर पहुंचे थे। अगले दिन उन्हीं में से एक युवक अपने साथ एक बच्चे को लेकर फिर आया और बातचीत के दौरान मौका पाकर अलमारी से गहने और नकदी चुरा ली। बाद में सामान गायब मिलने पर पीड़ित को चोरी का पता चला।

350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर मिला सुराग:मामले की जांच के लिए एंटी बर्गलरी सेल की विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने करीब 350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। तकनीकी निगरानी और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध प्रह्लाद सिंह की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने नाला रोड, सागरपुर इलाके में छापेमारी कर प्रह्लाद सिंह और उसके नाबालिग भतीजे को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान प्रह्लाद सिंह ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ चाबी बनाने के बहाने घरों में प्रवेश करता था और फिर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। उसने बताया कि पहले दिन वह अपने साथी सतनाम सिंह के साथ शिकायतकर्ता के घर की रेकी करने गया था। अगले दिन वह अपने भतीजे के साथ पहुंचा और अलमारी से गहने व नकदी चुरा ली। आरोपित ने यह भी बताया कि चोरी के बाद गहनों को बेच दिया था और रकम आपस में बांट ली थी। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर गुजरात के वडोदरा स्थित उसके घर से चोरी की संपत्ति की बिक्री से मिले 1.50 लाख रुपये नकद और चोरी की एक जोड़ी बालियां बरामद की हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपित प्रह्लाद सिंह गुजरात के वडोदरा स्थित दत्त नगर, अजवा रोड का रहने वाला है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ वर्ष 2023 में उत्तर-पश्चिम जिले के केशवपुरम थाने में चोरी और सेंधमारी का मामला दर्ज हो चुका है।

दिल्ली में बड़े आतंकी साजिश का पर्दाफाश, नौ गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

नई दिल्ली। दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपितों को दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के जवानों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिलने के बाद स्पेशल सेल ने गुप्त अभियान चलाकर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तान स्थित हैंडलरों और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के संपर्क में थे। इनकी गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपितों ने अब तक किस स्तर तक साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर ली थी और इनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस संबंध में स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त आज शाम 4 बजे इस मामले की विस्तृत जानकारी देंगे।

कोर्ट ने सत्येंद्र जैन मानहानि मामले में भाजपा विधायक करनैल सिंह को भेजा समन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक करनैल सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान ले लिया है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने करनैल सिंह को 6 जून को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 23 मई को संज्ञान लेने के मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सत्येंद्र जैन ने याचिका दायर कर कहा है कि करनैल सिंह ने 19 जनवरी, 2025 को एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उनके खिलाफ अपमानजनक बयान दिया। करनैल सिंह 2025 के विधानसभा चुनाव में शकूरबस्ती विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार थे। सत्येंद्र जैन की याचिका में कहा गया है कि अपने इंटरव्यू में करनैल सिंह ने कहा था कि ईडी ने जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया था। इंटरव्यू में करनैल सिंह ने कहा था कि सत्येंद्र जैन के नाम पर 1100 एकड़ जमीन है। करनैल सिंह ने कहा था कि सत्येंद्र जैन ने भ्रष्टाचार के जरिये काफी पैसा बनाया।सत्येंद्र जैन की याचिका में कहा गया है कि करनैल सिंह के बयान मनगढ़ंत और झूठे थे। ऐसा बयान देकर करनैल सिंह ने सत्येंद्र जैन की गरिमा गिराने और लोगों की नजर में बदनाम करने की कोशिश की थी। बता दें कि इसके पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लिया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इस आदेश को करनैल सिंह ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। सेशंस कोर्ट ने 30 अप्रैल को मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए कहा था कि मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अपवादों पर गौर किए बिना ही संज्ञान ले लिया था।

एमिटी यूनिवर्सिटी के खाते से 5.20 करोड़ की ठगी मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

नई दिल्ली। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एमिटी यूनिवर्सिटी के बैंक खाते से फर्जी चेकों के जरिए करोड़ों रुपये की ठगी करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रामनगर निवासी सुदामा नरवारे के रूप में हुई है। वह इस मामले में भगोड़ा भी था।ईओडब्ल्यू के पुलिस उपायुक्त सुबोध कुमारने शनिवार को बताया कि जनवरी 2020 में संसद मार्ग स्थित इलाहाबाद बैंक (वर्तमान में इंडियन बैंक) के एक वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि अगस्त 2019 में अमिटी यूनिवर्सिटी के नाम से जारी बताए गए तीन चेक बैंक में क्लियरेंस के लिए प्रस्तुत किए गए। इनमें से दो चेक क्लियर हो गए और उनके माध्यम से 5.20 करोड़ रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए गए, जबकि तीसरे चेक का भुगतान समय रहते रोक दिया गया। जांच में सामने आया कि 2.50 करोड़ रुपये गुजरात के वडोदरा स्थित एनएस इंफ्रास्ट्रक्चर के खाते में भेजे गए, जबकि 2.70 करोड़ रुपये मध्य प्रदेश के बैतूल स्थित एक एनजीओ के खाते में जमा हुए। बाद में एनजीओ के खाते से 2.07 करोड़ रुपये एक अन्य खाते में ट्रांसफर किए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार, ठगी की बड़ी रकम को आगे दिल्ली स्थित पांच कथित शेल कंपनियों के खातों में भेजकर लेनदेन को छिपाने का प्रयास किया गया। ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि सुदामा नरवारे बैतूल स्थित 'मां ताप्ती मानव सेवा संस्थान' नामक एनजीओ का सचिव और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता था। फर्जी चेक के जरिए प्राप्त 2.70 करोड़ रुपये इसी एनजीओ के खाते में जमा किए गए थे। आरोप है कि उसने इस रकम में से 2.07 करोड़ रुपये अन्य सह-आरोपितों के खातों में स्थानांतरित किए।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में अब तक तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि सुदामा नरवारे सहित कुछ अन्य आरोपित फरार थे। बैतूल के दूरदराज इलाके में रहने वाला सुदामा लगातार ठिकाने बदल रहा था और पुलिस कार्रवाई से बचता फिर रहा था। कई राज्यों में छापेमारी और लगातार निगरानी के बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपित 12वीं तक शिक्षित है और पूर्व में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के कार्यालय में काम कर चुका है, जिसके कारण उसे बैंकिंग प्रक्रियाओं की अच्छी जानकारी थी। मामले में अन्य फरार आरोपितों की तलाश जारी है और जांच अभी भी चल रही है।

ऑपरेशन विश्वासः दिल्ली पुलिस ने लौटाए 532 खोए और चोरी हुए मोबाइल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के पूर्वी रेंज ने जनता का भरोसा मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार को "ऑपरेशन विश्वास" के तहत 532 खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए। महाराजा अग्रसेन कॉलेज, न्यू अशोक नगर में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कई लोगों ने दिल्ली पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जनता और पुलिस के बीच विश्वास बढ़ाने वाली पहल बताया। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्पेशल सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) जोन-1 देवेश चंद्र श्रीवास्तव मौजूद रहे। इनके अलावा उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल, शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा, एसीपी, एसएचओ और तीनों जिलों के पुलिस अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

साइबर ठगी और नशे के खिलाफ किया जागरूक:कार्यक्रम की शुरुआत साइबर जागरूकता और ड्रग अवेयरनेस सत्र से हुई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाओं, ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। लोगों से अपील की गई कि किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस उपायुक्त के अनुसार राजीव कुमार ने कहा कि ऑपरेशन विश्वास दिल्ली पुलिस की जनहित, पारदर्शी पुलिसिंग और तकनीक आधारित जांच के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि खोई और चोरी हुई संपत्ति को उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाना पुलिस की सेवा-भावना को दर्शाता है। उन्होंने मोबाइल फोन बरामद करने और कार्यक्रम के आयोजन में शामिल पुलिस टीमों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान स्पेशल सीपी देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे। अपना खोया मोबाइल वापस मिलने पर कई लोगों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए और दिल्ली पुलिस की तत्परता तथा नागरिक-अनुकूल कार्यशैली की प्रशंसा की। वहीं ऑपरेशन विश्वास के तहत मोबाइल फोन बरामद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्वी, शाहदरा और उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस अधिकारियों और टीमों को सम्मानित भी किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी मेहनत, समर्पण और पेशेवर कार्यशैली की सराहना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने किया कांवड़ समिति का पुनर्गठन, कपिल मिश्रा अध्यक्ष नियुक्त

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कांवड़ यात्रा को ऐतिहासिक, सुगम, भक्तिभाव से परिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए उच्च स्तरीय 'कांवड़ समिति' का पुनर्गठन किया है। दिल्ली के संस्कृति एवं विधि मंत्री कपिल मिश्रा को समिति का अध्यक्ष बना गया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली सरकार इस बार भी शिवभक्तों के लिए सम्मानजनक एवं बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। इसके लिए कांवड़ शिविरों को विशेष सहायता दी जाएगी। कपिल मिश्रा कांवड़ समिति के अध्यक्ष होंगे, जबकि विधायक अजय महावर, अनिल शर्मा, करनैल सिंह, संजय गोयल और उमंग बजाज को समिति में सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल एक पारंपरिक धार्मिक आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अटूट सामाजिक समरसता और जनआस्था का एक विराट महोत्सव है। सावन माह में दिल्ली की सड़कों पर उमड़ने वाला शिवभक्तों का सैलाब देश की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करता है।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार के लिए कांवड़ व्यवस्थाएं अब सिर्फ कागजी प्रशासनिक कामकाज नहीं रह गई हैं, बल्कि यह पूरी व्यवस्था दिल्ली में सेवा, श्रद्धा और सम्मान का एक अनूठा प्रतीक बन चुकी है। सरकार का मुख्य ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने वाले हर एक शिवभक्त (कांवड़िए) को अतिथि के रूप में देवतुल्य सम्मान और श्रेष्ठ सुविधाएं मिलें। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि अध्यक्ष कपिल मिश्रा के नेतृत्व में यह नवगठित समिति जल्द ही दिल्ली के सभी डीएम, दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेगी। समिति का मुख्य फोकस रूट मैनेजमेंट, वॉटरप्रूफ टेंटों की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, 24 घंटे निर्बाध बिजली-पानी की आपूर्ति और सुरक्षा चाक-चौबंद रखने पर होगा, ताकि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा निर्विघ्न और अभूतपूर्व रूप से संपन्न हो सके। मुख्यमंत्री कहा कि दिल्ली सरकार ने शिवभक्तों की सेवा के लिए पिछले वर्षों की तुलना में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक व्यवस्थाएं की थीं। वर्ष 2024 में जहां राजधानी में केवल 170 कांवड़ शिविरों को मंजूरी मिली थी, वहीं वर्ष 2025 में सरकार द्वारा दी गई आसान मंजूरियों के चलते रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई और पूरी दिल्ली में कुल 374 पंजीकृत कांवड़ शिविर लगाए गए। इन शिविरों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार ने पुरानी टेंडर प्रथा को खत्म कर सीधे बैंक खातों में (डीबीटी के माध्यम से) 50,000 रुपये से लेकर अधिकतम 11 लाख रुपये तक की पारदर्शी आर्थिक सहायता प्रदान की, जिसका 50 फीसद हिस्सा आयोजन से पहले ही एडवांस के रूप में जारी कर दिया गया था। इसके अतिरिक्त समितियों पर वित्तीय बोझ कम करने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार द्वारा प्रत्येक पंजीकृत शिविर को 1,200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और अस्थाई मीटर के सिक्योरिटी डिपॉजिट में 75 फीसद की छूट भी दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

रामसरन हाई स्कूल में दो दिवसीय समर कैंप का भव्य समापन, बच्चों ने बाथ पार्टी और आइसक्रीम का लिया आनंद

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः शनिवार को हसनपुर के प्रतिष्ठित विद्यालय रामसरन एवं सुशीला आनन्द हाई स्कूल में शुक्रवार को दो दिवसीय समर कैंप का उत्साहपूर्ण समापन हुआ। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से आयोजित इस कैंप के दूसरे दिन कक्षा 2 से 5 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, प्रत्येक वर्ष अवकाश में समर कैंप का आयोजन परंपरा है। इस बार कैंप को और रोचक बनाने के लिए कई नवीन गतिविधियां शामिल की गईं। बच्चों ने "बाथ पार्टी" में जमकर पानी के साथ खेला और गर्मी से राहत पाई। इसके अलावा डांस, योग प्रशिक्षण, आर्ट एंड क्राफ्ट एक्टिविटी और कलर गेम्स ने बच्चों की रचनात्मकता को नई उड़ान दी। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा रही "आइसक्रीम पार्टी"। कैंप के समापन पर सभी बच्चों को आइसक्रीम वितरित की गई, जिसे पाकर नन्हे-मुन्ने बच्चों के चेहरे खिल उठे। बच्चों ने पूरे दिन खूब मौज-मस्ती की और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अभिभावकों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। समापन समारोह में विद्यालय प्रबंधक सुशील चन्द्र सक्सेना ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल-खेल में सीखना सबसे प्रभावी तरीका है। विद्यालय अध्यक्ष पं० रवि शंकर शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी देना है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, अंशु त्यागी, अनुराधा, भावना सक्सेना, मंजरी दीक्षित, लक्ष्मी रस्तोगी, स्वाति, नीलम सक्सेना, अतुल माथुर, सीमा वर्मा, रवि वर्मा, हुरुन निशा, कोमल रानी, राजकुमार, अनु, नेपाल सिंह, तसनीम सहित समस्त शिक्षक एवं स्टाफ मौजूद रहा। प्रधानाचार्य निशांत त्यागी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ईद-उल-अजहा के तीसरे दिन भी कायम रही भाईचारे की मिसाल, नगर पालिका टीम का कार्य सराहनीय

लोक तंत्र की शान , खिज़र अहमद , नजीबाबाद। ईद-उल-अजहा का पर्व सकुशल सम्पन्न होने के बाद भी नगर में आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल कायम है। ईद के तीसरे दिन भी लोग एक-दूसरे के घर पहुंचकर मुबारकबाद देने और रिश्तों को मजबूत बनाने में जुटे रहे। वहीं नगर पालिका परिषद की ओर से सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर किए गए कार्यों की नगरवासियों ने सराहना की। ईद-उल-अजहा के दौरान नगर की ईदगाहों, मस्जिदों तथा विभिन्न मोहल्लों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की थी। त्योहार के दौरान प्रशासन और पुलिस विभाग के साथ-साथ नगर पालिका की टीम भी लगातार सक्रिय रही। पालिका कर्मचारियों ने सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान और स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया, जिससे पूरे नगर में साफ-सुथरा वातावरण बना रहा। नगरवासियों ने बताया कि ईद के अवसर पर नगर पालिका की टीम ने तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। सफाई कर्मी सुबह से देर शाम तक विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्य में जुटे रहे, जिसके चलते लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। त्योहार के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन में पुलिस प्रशासन, नगर पालिका तथा आम नागरिकों के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लोगों ने प्रशासन और पालिका कर्मियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी तरह के सहयोग और समन्वय से नगर में सौहार्द और स्वच्छता का वातावरण बना रहता है।

हरिद्वार–मोतीचूर रेलखंड पर वृक्ष गिरने से रेलमार्ग बाधित, वंदे भारत समेत कई ट्रेनें प्रभावित

लोक तंत्र की शान , मुरादाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शनिवार को भयंकर आंधी, तेज तूफान का असर मुरादाबाद रेल मंडल में भी दिखाई दिया। मंडल के हरिद्वार–मोतीचूर रेलखंड के मध्य किलोमीटर संख्या 30/11-12 पर अपराह्न लगभग 15:40 बजे एक वृक्ष ओवरहेड विद्युत तार (ओएचई) एवं रेल मार्ग पर गिर गया, जिससे रेल परिचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने शनिवार को बताया कि आज घटना की सूचना मिलते ही मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने कंट्रोल रूम में मार्गदर्शन द्वारा मुरादाबाद मंडल के परिचालन, विद्युत एवं इंजीनियरिंग विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई प्रारंभ की गई। टावर वैगन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया, जिसने शीघ्र ही मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य आरंभ कर दिया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से क्षतिग्रस्त ओएचई को कम समय में दुरुस्त कर लिया गया। रेलवे कर्मचारियों की तत्परता एवं कुशल कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप सायं 16:40 बजे रेल ट्रैक को सुरक्षित रूप से रेल संचालन हेतु फिट कर दिया गया तथा सायं 19.10 बजे ओएचई को भी फिट कर ट्रेनों का सामान्य परिचालन पुनः बहाल कर दिया गया। सुरक्षा की दृष्टि से इस दौरान कुछ रेलगाड़ियों को अस्थायी रूप से नियंत्रित किया गया, जिनमें डाउन दिशा की गाड़ी संख्या 22546 देहरादून- लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस सहित कुछ गाड़ियों को मार्ग में रोकना पड़ा तथा पुनर्निर्धारित समय द्वारा गाड़ियों का संचालन नियमित किया गया।

रामपुर-अब्दुल्ला आजम को कोर्ट से राहत दो पासपोर्ट मामले में 7 साल की सजा रद्द

लोकतंत्र की शान,मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को रामपुर के सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया था. आरोप था कि अब्दुल्ला आज़म ने अलग-अलग जन्मतिथि दर्शाकर दो पासपोर्ट बनवाए थे समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. दो पासपोर्ट मामले में सुनाई गई 7 साल की सजा को MP/MLA सेशन कोर्ट ने रद्द कर दिया है. कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम की ओर से दाखिल अपील स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया है. बताया जा रहा है कि दो पासपोर्ट मामले में MP/MLA मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 5 दिसंबर 2025 को अब्दुल्ला आज़म को 7 साल की सजा सुनाई थी. इस फैसले के खिलाफ अब्दुल्ला आजम की ओर से MP/MLA सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की गई थी, जिस पर 25 मई को बहस पूरी हो चुकी थी. इस मामले में आज शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने अब्दुल्ला आज़म की अपील मंजूर कर ली और पूर्व में सुनाई गई सजा को निरस्त कर दिया. बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को रामपुर के सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया था. आरोप था कि अब्दुल्ला आज़म ने अलग-अलग जन्मतिथि दर्शाकर दो पासपोर्ट बनवाए. एक पासपोर्ट में जन्मतिथि 1 जनवरी 1993 जबकि दूसरे में 30 सितंबर 1990 दर्ज होने का आरोप था। दोनों पासपोर्ट का इस्तेमाल कर विदेश यात्रा करने के आरोप भी लगाए गए थे. यह मामला MP/MLA कोर्ट में विचाराधीन था, फिलहाल अब्दुल्ला आज़म खान रामपुर जेल में बंद हैं. अब्दुल्ला आजम खान को कोर्ट से दो पासपोर्ट मामले में राहत मिल गई हो लेकिन जेल से बाहर आने का रास्ता साफ नहीं हुआ है. बाइट-नासिर सुल्तान/अधिवक्ता अब्दुल्ला आजम पक्ष

मुख्यमंत्री योगी ने जारी किया श्रीराम कथा के भव्य मंच का पोस्टर

लोकतंत्र की शान

- जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज की श्रीराम कथा 1 से 9 जून तक होगी
- सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में विशाल पंडाल का निर्माण जारी

लखनऊ। सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में आगामी 1 से 9 जून तक आयोजित होने जा रही जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज की श्रीराम कथा के संबंध में विधायक डा. नीरज बोरा के नेतृत्व में आयोजन समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उन्हें कथा में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर की अनुकृति पर आधारित कथा मंच के पोस्टर का विमोचन किया तथा आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। विधायक डा. नीरज बोरा ने बताया कि कथा प्रतिदिन सायं 5 से 8 बजे तक आयोजित होगी। कथा स्थल पर विशाल पंडाल का निर्माण जारी है तथा बंगाल के कारीगरों द्वारा व्यास पीठ के पीछे श्रीराम मंदिर की भव्य अनुकृति तैयार की जा रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। मुख्यमंत्री से भेंट के दौरान आयोजन समिति के राकेश पांडेय, संजीव अग्रवाल, श्यामजी अग्रवाल, सुनील अग्रवाल एवं मनोज अग्रवाल उपस्थित रहे।

अहिंसा सर्वोच्च धर्म, लेकिन देश-समाज की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों के प्रति अपनानी पड़ेगी हिंसाः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे तो दुनिया भी मैत्री करेगी। कमजोर के आगे कोई नहीं झुकता। हम जब अधूरी बात कहते हैं तो वह अर्थ का अनर्थ करता है, इसलिए पूरी बात कहना सीखें। भारत की ऋषि परंपरा प्रेरणा देती है कि "अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथैव च" यानी सामान्य जीवन में अहिंसा ही सर्वोच्च धर्म होना चाहिए, लेकिन सामने वाला देश व समाज की सुरक्षा के लिए खतरा है तो उसके लिए अंततः हिंसा ही अपनानी पड़ेगी। देश के दुश्मन के साथ यही हमारा धर्म है और भारतीय सेना पूरी मजबूती के साथ यह करती है। मुख्यमंत्री शनिवार को राजधानी में 19 करोड़ रुपये की लागत से 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र में निर्मित नौसेना शौर्य वाटिका (नौसेना शौर्य संग्रहालय के द्वितीय चरण) के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित सैन्य अधिकारियों, कार्मिकों व जन-समूह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री के साथ इस वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नौसेना बैंड की अनुपम प्रस्तुति ने श्रोताओं का मन मोह लिया।

आकाश की ऊंचाइयां छूने के लिए बड़ी सोच चाहिए-मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सोच बड़ी होती है और व्यक्ति बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ता है तो सकारात्मक परिणाम आता है, जो युवाओं को नई प्रेरणा प्रदान करता है। इस वाटिका में आने वालों को भारतीय नौसेना के बारे में जानकारी मिलेगी। हमारे सैनिक किन सम-विषम परिस्थितियों में कार्य करते हैं, यह भी जानने का अवसर मिलेगा। यह जानकारी युवाओं के जीवन में चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा होगी। नौसेना का लक्ष्य उसकी विराट सोच का प्रतीक है। सीएम ने आदर्श वाक्य "नभः स्पृशं दीप्तम्" का जिक्र किया और कहा कि आकाश की ऊंचाइयां छूने के लिए बड़ी सोच भी चाहिए। संकुचित सोच या भाव से बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए राहत की पहल अग्रवाल परिवार द्वारा बांटा गया गन्ने का ताजा रस

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः हसनपुर में शुक्रवार को पड़ रही रिकॉर्डतोड़ भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए नगर के वरिष्ठ व्यापारी एवं समाजसेवी बंधुओं ने मानवता की मिसाल पेश की। नागरिकों को गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से विनीत अग्रवाल एवं सुमित अग्रवाल ने अपने परिवार के सहयोग से कोतवाली के निकट स्थित अपने प्रतिष्ठान पर गन्ने के रस का निःशुल्क वितरण किया। दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया था, तब सड़क से गुजर रहे राहगीर, रिक्शा चालक, मजदूर और स्कूली बच्चों के लिए यह गन्ने का रस किसी अमृत से कम नहीं था। आयोजकों ने बताया कि सैकड़ों लोगों को ठंडा-ताजा गन्ने का रस पिलाया गया। रस पीकर लोगों के चेहरे पर सुकून और संतुष्टि साफ दिखाई दे रही थी। कई राहगीरों ने कहा कि भीषण गर्मी में यह पहल बेहद सराहनीय है। समाजसेवी विनीत अग्रवाल ने इस मौके पर कहा, "गर्मी अपने चरम पर है। हमने सोचा कि क्यों न इस तपिश में लोगों को थोड़ी राहत दी जाए। गन्ने का रस न केवल प्यास बुझाता है बल्कि शरीर को तुरंत ऊर्जा भी देता है। यह हमारा सामाजिक दायित्व है।" सुमित अग्रवाल ने बताया कि अपने बुजुर्गों के आशीर्वाद से समय-समय पर ऐसे आयोजन किए जाते रहेंगे। इस पुनीत कार्य में परिवार के छोटे सदस्य लक्ष्य, वैदिक और वत्सल ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया। तीनों बच्चों ने खुद अपने हाथों से लोगों को गन्ने का रस वितरित किया, जिसे देखकर उपस्थित लोगों ने उनकी प्रशंसा की। स्थानीय नागरिकों ने इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की। लोगों का कहना था कि इस भीषण गर्मी में जब घर से निकलना मुश्किल हो रहा है, ऐसे में अग्रवाल परिवार द्वारा की गई यह पहल बेहद प्रेरणादायक है। इस तरह के कार्यों से समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को बल मिलता है। कार्यक्रम में नगर के कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

पार्थ गौतम फाउंडेशन बना जनसेवा का मजबूत स्तंभ, बरेली में मानवता और भाईचारे की मिसाल

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में सामाजिक सेवा और मानवता की नई मिसाल बनकर उभर रहा पार्थ गौतम फाउंडेशन आज जरूरतमंदों की उम्मीद और सहारा बन चुका है। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक मदद पहुंचाने के उद्देश्य से स्थापित यह गैर-लाभकारी संस्था लगातार जनसेवा, सामाजिक उत्थान, धार्मिक सौहार्द और मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। संस्था का एक ही संकल्प है — "सेवा का विस्तार हर वार्ड, हर घर और हर जरूरतमंद तक पहुंचे।" भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच जब आमजन को सबसे अधिक राहत की आवश्यकता महसूस हो रही है, तब पार्थ गौतम फाउंडेशन द्वारा बरेली शहर में जगह-जगह निःशुल्क शीतल जल सेवा शुरू की गई है। राहगीरों, श्रमिकों, रिक्शा चालकों, डिलीवरी बॉय और आम नागरिकों के लिए ठंडे एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कर संस्था मानवता की सच्ची सेवा कर रही है। इस सेवा को जनता का भरपूर स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। फाउंडेशन द्वारा लगाए गए वाटर कूलर और पेयजल केंद्र आज लोगों को राहत पहुंचाने का बड़ा माध्यम बन चुके हैं। गर्मी से परेशान लोग जब ठंडा पानी पीकर राहत महसूस करते हैं, तो उनके चेहरे पर दिखाई देने वाली संतुष्टि संस्था के कार्यकर्ताओं के लिए सबसे बड़ा सम्मान बन जाती है। संस्था का संदेश साफ है — "हर बूंद में सेवा, हर घूंट में सुकून।" पार्थ गौतम फाउंडेशन केवल पेयजल सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में भी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य संस्था द्वारा निरंतर किया जा रहा है। कई गरीब परिवारों के घरों में टिन शेड लगवाकर उन्हें बारिश और धूप से सुरक्षा प्रदान की गई, वहीं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की हर संभव सहायता कर उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई। समाज में मेहनतकश वर्ग को सम्मान दिलाने की दिशा में भी फाउंडेशन ने महत्वपूर्ण पहल की है। संस्था द्वारा डिलीवरी बॉय, श्रमिकों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों में कार्यरत युवाओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान उनके संघर्ष, मेहनत और समर्पण को सराहा गया। संस्था का मानना है कि समाज की वास्तविक रीढ़ वे लोग हैं जो दिन-रात मेहनत कर लोगों की जरूरतें पूरी करते हैं। इसी क्रम में पार्थ गौतम फाउंडेशन द्वारा Zomato, Swiggy, Blinkit, Zepto और Rapido से जुड़े सभी राइडर्स भाइयों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। संस्था ने कहा कि ये सभी युवा हर मौसम में मेहनत कर हजारों लोगों की जरूरतों को पूरा करते हैं और समाज के लिए प्रेरणा हैं। संस्था द्वारा इन सभी राइडर्स से संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं को समझने के उद्देश्य से पंजीकरण अभियान भी शुरू किया गया है। इसके लिए मोबाइल नंबर 9570656565 एवं 9169959595 जारी किए गए हैं, जिन पर कॉल या व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। संस्था ने जल्द ही सभी राइडर्स से मुलाकात का भरोसा भी दिलाया है।

रामपुर में थानागंज पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश रामपुर के पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा के निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से थाना थानागंज पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी पवन कुमार शर्मा ने अपने पुलिस बल के साथ किया। चेकिंग अभियान के दौरान दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई। पुलिस टीम ने वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, सीट बेल्ट, वाहन संबंधी दस्तावेज एवं संदिग्ध गतिविधियों की जांच करते हुए नियमों का पालन करने की अपील की। इस दौरान थाना प्रभारी पवन कुमार शर्मा ने आम जनता को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान से वाहन चालकों में जागरूकता देखने को मिली। वहीं क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आम जनता ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की।

राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ' के तत्वावधान में भव्य 'पत्रकार बन्धु सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को हसनपुर में हिन्दी पत्रकारिता दिवस के पावन अवसर पर 'राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ' के तत्वावधान में भव्य 'पत्रकार बन्धु सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हसनपुर-42 के विधायक महेन्द्र सिंह खड़कवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं० आर. डी. शर्मा ने की। कार्यक्रम का संयोजन एवं आयोजन जिला अध्यक्ष शोभित शर्मा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि विधायक महेन्द्र सिंह खड़क बंशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता समाज को दिशा देने का कार्य करती है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता ही स्वस्थ समाज की पहचान है। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए पत्रकारों के योगदान को सराहा। अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष पं० आर. डी. शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ हमेशा समाजहित में कार्य करने वालों का सम्मान करता आया है। पत्रकार दिन-रात मेहनत कर समाज की आवाज बनते हैं, उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों में नन्दन त्यागी, नितिन शर्मा, मोहित शर्मा, लोकेश, विशाल शर्मा, अतुल शर्मा, अनुज शर्मा, त्रिप्रांशु, शिवम त्यागी, मुकुल, अरविंद शर्मा, शुभम शर्मा 'बेदमाश', मुकेश शर्मा, अभिषेक त्रिवेदी, गौरव शर्मा, विनय शर्मा, विजय शर्मा, एडवोकेट विशाल शर्मा, विवेक शर्मा, अश्वनी शर्मा, कपिल शर्मा, मनोज शर्मा, संजय शर्मा, पं० उवेश शर्मा, जया शर्मा 'जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा', वन्दना शर्मा, मनी शर्मा, प्रिया शर्मा, मन्नू रानी, आराध्य शर्मा, निधि शर्मा, आर्य शर्मा, आदित्य शर्मा, हिमांशु शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। आयोजक जिला अध्यक्ष शोभित शर्मा ने सभी अतिथियों एवं पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महासंघ आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। समारोह में पत्रकारों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

AIMIM के विधानसभा अध्यक्ष ने किया नेटूर्नामेंट का फीता काट कर उद्घाटन, सैकड़ो को दिलाई पार्टी की सदस्यता

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव बासका कला में AIMIM के हसनपुर विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने एक भव्य टूर्नामेंट मैच का शुभारंभ फीता काटकर किया गया। इसी दौरान "एआईएमआईएम" के संगठन विस्तार अभियान के तहत कई लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई और नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।कार्यक्रम में अब्दुल कादिर चौधरी को ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं अब्दुर रहमान चौधरी को ब्लॉक सचिव की जिम्मेदारी दी गई। यह सभी नियुक्तियां विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर की गईं। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मौ० साजिद कस्सार , नगर अध्यक्ष कस्बा उझारी अफ्फान चौधरी, विधानसभा कोषाध्यक्ष दानिश आसिफ कस्सार, साजेव सलमानी, नासिर कस्सार, विधानसभा उपाध्यक्ष नदीम, मौ० नादिम, फारूक, सलीम सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बता ते चले कि विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और ईद के तीसरे दिन भी उन्होंने घर ना बैठकर पार्टी का विस्तार किया इस मौके पर उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए युवा और अनुभवी चेहरों को आगे लाया जा रहा है। ग्राम और ब्लॉक स्तर पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति से पार्टी को आगामी चुनावों में मजबूती मिलेगी। अब्दुल कादिर चौधरी ने ग्राम अध्यक्ष बनने पर कहा कि वे गांव के हर व्यक्ति तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाएंगे। अब्दुर रहमान चौधरी ने ब्लॉक सचिव के रूप में संगठन को और सक्रिय बनाने का संकल्प लिया। टूर्नामेंट मैच में स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मैच के बाद विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में सभी नए पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। वही विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने बताया कि पार्टी सामाजिक समरसता और विकास के एजेंडे पर काम कर रही है। जल्द ही पूरे विधानसभा क्षेत्र में रफ्तार के साथ सदस्यता अभियान को तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गाली देने का विरोध, युवक पर चाकू से हमला, गंभीर रूप से घायल, पटना रेफर

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के सरसई गांव में आपसी विवाद के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। मुखिया को गाली देने का विरोध करने पर हुई इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात की है। घायल युवक की पहचान सरसई गांव निवासी आमोद पासवान के 22 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार की रात कुछ लोग गांव में दरवाजे पर बैठकर रामपुर रत्नाकर पंचायत के मुखिया गणेश पासवान के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे थे। इसी दौरान अमरजीत कुमार ने बेवजह गाली-गलौज करने का विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने पर उसके ही पाटीदार हरेंद्र पासवान के पुत्र चंद्रकेत कुमार और चंदन कुमार उससे उलझ गए और मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने के दौरान, आरोपितों में से एक ने जेब से चाकू निकालकर अमरजीत के सीने पर वार कर दिया। चाकू लगते ही वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और आनन-फानन में घायल युवक को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। सराय थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि चाकू आपसी विवाद में चली है और पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घायल और आरोपी दोनों का घर पास में ही है, जिसके कारण गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और स्थानीय लोग मामले को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

बिदुपुर घाट पर दिखा घड़ियाल, स्थानीय लोगों में डर का माहौल, वन विभाग को दी गई सूचना

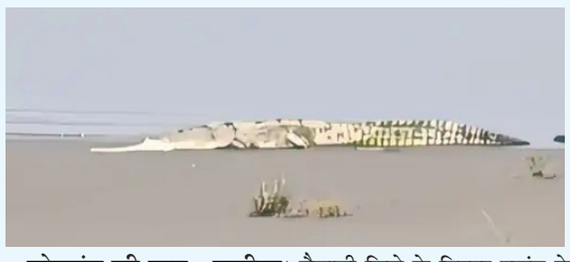

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड के मधुरापुर नया टोला घाट पर तड़के सुबह एक घड़ियाल देखा गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में कौतूहल और चिंता का माहौल बन गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घड़ियाल घाट के किनारे टहलता हुआ दिखाई दिया। इस दुर्लभ नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग घाट पर उमड़ पड़े और अपने मोबाइल फोन में उसकी तस्वीरें लेने लगे। स्थानीय लोगों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक वन विभाग की टीम घड़ियाल को रेस्क्यू करने के लिए घाट पर नहीं पहुंची थी। घड़ियाल देखे जाने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। स्थानीय लोग बच्चों और अन्य लोगों को घाट के पास जाने से रोक रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि घड़ियाल अक्सर धूप सेंकने या अंडे देने के लिए सूखी रेत पर आते हैं और फिर पानी में लौट जाते हैं।

ईंट भट्ठा पर गड्ढे में डूबकर दो बच्चों की मौत, दोस्तों के साथ नहाने गया था, गहरे पानी में डूबने से गई जान

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना क्षेत्र अंतर्गत छाजन उत्तरवारी टोला चौर में शनिवार सुबह ईंट भट्ठा के गड्ढे में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ युवक ईंट भट्ठा के गड्ढे में नहाने गए थे। इसी दौरान नहाते समय पैर फिसलने से दोनों लड़के गहरे पानी में जाकर डूबने लगे। साथ मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। मृतकों की पहचान छाजन उत्तरवारी टोला निवासी नीरज कुमार (18 वर्ष), पिता सुधीर सिंह, और सुमन कुमार (16 वर्ष), पिता आलोक सिंह, के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। सूचना मिलने पर तुर्की थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने दोनों शवों को गड्ढे से बाहर निकलवाया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर भेजने की कवायदा में जुटी हुई है।

29 करोड़ की लागत से बना मॉडल अस्पताल बेहाल, ड्रेनेज सिस्टम फेल, ऑपरेशन थिएटर में घुसा बारिश का पानी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब 29 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए मॉडल अस्पताल की व्यवस्थाओं की शुक्रवार को हुई बारिश ने पोल खोलकर रख दी। महज एक वर्ष पहले शुरू हुए इस अत्याधुनिक अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में बारिश का पानी घुस जाने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गईं। स्थिति ऐसी हो गई कि ड्रेसिंग के लिए आए मरीजों को इमरजेंसी वार्ड भेजना पड़ा। शुक्रवार सुबह हुई तेज बारिश के दौरान अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में अचानक गंदा पानी भरने लगा। कर्मचारियों के अनुसार छत पर जमा पानी ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण बेसिन के पाइप से होते हुए सीधे ओटी में पहुंच गया। पानी प्रवेश करते ही अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी मच गई और तत्काल उपकरणों को सुरक्षित करने तथा पानी निकालने की कवायद शुरू की गई। ऑपरेशन थिएटर में पानी भरने से वहां लगे लाखों रुपये मूल्य के अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के खराब होने की आशंका बढ़ गई है। लगातार गंदा पानी आने के कारण ओटी का वातावरण भी प्रभावित हुआ, जिससे स्वास्थ्यकर्मियों को काम करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ओटी विभाग में कार्यरत रीमा कुमारी ने बताया कि बारिश होते ही संभवतः टॉयलेट ओवरफ्लो हो गया, जिसके कारण वॉशरूम का पानी ऑपरेशन थिएटर में भर गया। उन्होंने कहा कि ओटी पूरी तरह स्टेराइल होना चाहिए, लेकिन वहां गंदा पानी जमा हो गया, जिससे काम करना मुश्किल हो गया है। वहीं विभाग की एक अन्य कर्मी ने बताया कि बारिश होने पर अक्सर ऐसी समस्या उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने चिंता जताई कि ओटी में मौजूद महंगे उपकरण इस कारण क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ओटी में पानी भरने से नियमित चिकित्सा सेवाएं भी प्रभावित हुईं। करीब एक दर्जन मरीजों की ड्रेसिंग ऑपरेशन थिएटर के बजाय इमरजेंसी वार्ड में करानी पड़ी। इससे मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी देखने को मिली। अस्पताल परिसर के अन्य हिस्सों में भी बारिश का असर दिखाई दिया। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में पानी भर जाने से वहां आने-जाने में लोगों को परेशानी हुई। सफाईकर्मी लगातार पानी निकालने में जुटे रहे। इसके अलावा जिला मलेरिया कार्यालय परिसर में भी जलजमाव की स्थिति बनी रही। गौरतलब है कि 29 करोड़ रुपये की लागत से बने इस मॉडल अस्पताल का उद्घाटन 14 मई 2025 को बड़े स्तर पर किया गया था। भवन निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमएसआईसीएल) के पास है। ऐसे में महज एक साल के भीतर ड्रेनेज सिस्टम फेल होने और ऑपरेशन थिएटर में पानी भरने की घटना निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अस्पताल प्रबंधक प्रवीण कुमार ने इस घटना को गंभीर तकनीकी खामी बताते हुए कहा कि मामले की रिपोर्ट विभाग को भेज दी गई है और समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पटना में युवक की हत्या जमीन विवाद की आशंका

रिश्तेदारों पर मर्डर का आरोप, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चल रही छापेमारी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के बेउर इलाके में शनिवार को एक युवक की हत्या कर दी गई। परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आनंद कुमार (40) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, आनंद कुमार का अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते उनकी हत्या की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार: मृतक के भाई अरविंद कुमार ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद के कारण परिवार के ही कुछ लोगों ने आनंद कुमार की साजिश रचकर हत्या की है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

कान के पीछे लगी बुलेट: फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1 सुशील कुमार ने बताया कि बेऊर थाना के निदान अस्पताल के नजदीक अपराधियों ने आनंद कुमार के कान के पीछे गोली मारी है। परिजन के अनुसार आनंद कुमार का उनके गोतिया से जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था। यह विवाद न्यायालय में टाइटल सूट के रूप में चल रहा था। गोतिया भूटाली राय और राजू कुमार पर हत्या करने की आशंका जताई है। पुलिस घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान करने में जुटी है।

सहरसा में LPG गैस आपूर्ति की स्थिति अपडेट, लंबित वितरण शीघ्र पूरा करने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिला जनसंपर्क कार्यालय, सहरसा द्वारा जारी अद्यतन सूचना के अनुसार जिले में एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की वर्तमान स्थिति साझा की गई है। विभिन्न गैस कंपनियों के अंतर्गत कार्यरत स्थानीय एजेंसियों द्वारा वितरण एवं उपलब्धता का विवरण निम्नलिखित है:

भारत गैस: दिनांक 29.05.2026 को कुल 279 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 14.2 किलोग्राम के 1787 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। बैकलॉग दिनों की संख्या 4 है तथा औसत बिक्री 1276 दर्ज की गई है।

एचपी गैस: स्थानीय एजेंसियों द्वारा 29.05.2026 को कुल 2179 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 14.2 किलोग्राम के 4421 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। बैकलॉग दिनों की संख्या 3.83 है तथा औसत बिक्री 1607 है।

इंडेन गैस: इंडेन गैस के अंतर्गत 29.05.2026 को कुल 1002 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 14.2 किलोग्राम के 3082 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। बैकलॉग दिनों की संख्या 4.73 है तथा औसत बिक्री 2220 है। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित एजेंसियों को लंबित वितरण कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राबड़ी बोलीं- फोर्स बुला लो बंगला खाली नहीं करेंगे

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार की पूर्व CM राबड़ी देवी को 20 साल पुराना सरकारी बंगला खाली करना होगा। शुक्रवार को ये आदेश भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी किया गया है। विभाग का राबड़ी देवी को ये तीसरा नोटिस है। नोटिस पर राबड़ी देवी ने कहा, 10 सर्कुलर रोड वाला अवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे। सम्राट नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं। हम तो चाहते हैं सम्राट चौधरी फोर्स बुलाकर आवास खाली करवा लें। आज ही वे दिल्ली से पटना लौटी हैं।

वहीं सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमारी राबड़ी आवास पहुंची है। पुलिस फोर्स को भी बुलाया गया है। राबड़ी देवी ने सचिवालय सीडीपीओ को अंदर बुलाकर बातचीत की। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि ये आवास अब डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन (पशुपालन) मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर दिया गया है। बिहार चुनाव-2025 के बाद ही राबड़ी देवी को नया 39 हार्डिंग रोड बंगला आवंटित किया गया था। भवन निर्माण विभाग के अनुसार, विभागीय आदेश संख्या-122 दिनांक 25 नवंबर 2025 के तहत विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के लिए 39 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास आवंटित किया गया था। ये आवास राबड़ी देवी के नाम पहले ही जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक उन्होंने पूर्व से आवंटित 10 सर्कुलर रोड आवास खाली नहीं किया है।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी एंड रिस्पॉन्सिबल ट्रांसफॉर्मेशन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) विभाग द्वारा "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी एंड रिस्पॉन्सिबल ट्रांसफॉर्मेशन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री सुशांत कुमार सिंह, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट, सोनाटा सॉफ्टवेयर, बेंगलुरु एवं फाउंडिंग डायरेक्टर, सीएआईईएस फाउंडेशन, पटना उपस्थित रहे। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्तमान एवं भविष्य के आयामों, नवाचार, सतत विकास तथा जिम्मेदार तकनीकी परिवर्तन में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। अपने स्वागत उद्बोधन में कुलपति डॉ. तिवारी ने कहा, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि समाज, शिक्षा और उद्योग के परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। विद्यार्थियों को एआई के नैतिक, जिम्मेदार एवं नवाचारपूर्ण उपयोग की समझ विकसित करनी होगी ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।" विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा, "डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख एवं भविष्य-केंद्रित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों को नई तकनीकों से जोड़ने तथा उनके व्यावसायिक कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।" कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न अनुप्रयोगों, करियर संभावनाओं, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस तथा एआई के सामाजिक प्रभावों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने वक्ता के साथ संवाद सत्र में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष (एचओडी) श्री आशुतोष रंजन, सहायक प्राध्यापक श्री तौकीर अख्तर, कार्यक्रम समन्वयक श्री सौरव कुमार सिंह, श्री दीपक कुमार सिंह, श्री अमित कुँवर तथा सीएसई एवं आईटी विभाग के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में विभाग की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप कार्यशाला का सफल एवं प्रभावी आयोजन संभव हो सका।

सहरसा पुलिस की बड़ी सफलता: 10,000 के इनामी अपराधी ललटू कुमार उर्फ ललटू यादव गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले में अपराध नियंत्रण एवं वांछित/इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 10,000 के इनामी अपराधी ललटू कुमार उर्फ ललटू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 29.05.2026 को बैजनाथपुर थाना अध्यक्ष को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि लूट कांड के वांछित एवं 10,000 के इनामी अपराधी ललटू कुमार उर्फ ललटू यादव कटिहार जिले के रेलवे स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में छिपकर रह रहा है और लगातार अपना ठिकाना बदल रहा है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम में बैजनाथपुर थाना पुलिस, परसतापर थाना एवं जिला आसूचना इकाई की टीम शामिल रही। तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर आरोपी को कटिहार रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी ललटू कुमार उर्फ ललटू यादव, पिता सुभाष यादव, निवासी रहुआ वार्ड संख्या-06, थाना परसतापर, जिला सहरसा का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उस पर सहरसा एवं मधेपुरा जिलों के विभिन्न थानों में लूट एवं अन्य आपराधिक मामलों के कई केस दर्ज हैं। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक कुमार, थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार, थानाध्यक्ष विजय पासवान, पु.अ.नि. खुशबू कुमारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सहरसा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का संगठनात्मक चुनाव संपन्न, अर्चना आनन्द निर्विरोध जिला अध्यक्ष निर्वाचित

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के सहरसा जिला अध्यक्ष पद हेतु संगठनात्मक चुनाव शुक्रवार को पटुवाहा स्थित हवेली बैंक्वेट हॉल में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया प्रदेश नेतृत्व द्वारा नियुक्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी बैजनाथ कुमार विमल एवं पर्यवेक्षक अनन्त कुशवाहा तथा सह-पर्यवेक्षक मोहम्मद इजहार के नेतृत्व में संपन्न कराई गई। जिला अध्यक्ष पद के लिए श्रीमती अर्चना आनन्द ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके प्रस्तावक के रूप में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुखिया विंदेश्वरी मेहता, प्रखंड अध्यक्ष महिषी बिपिन पासवान, प्रखंड अध्यक्ष सिमरी बख्तियारपुर अभिमन्यु सिंह, प्रखंड अध्यक्ष सत्तरकटैया सुबोध झा तथा प्रखंड अध्यक्ष कहरा कमालउद्दीन शामिल रहे। वहीं समर्थकों में पतरघट प्रखंड अध्यक्ष शैलेश झा, सोनबरसा प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार, सौरबाजार प्रखंड अध्यक्ष नरेश कुमार, सलखुआ प्रखंड अध्यक्ष बालकृष्ण कुशवाहा एवं नवहट्टा प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार निकुंभ ने समर्थन दिया। संगठनात्मक नियमों के तहत जिला अध्यक्ष पद के लिए कम-से-कम तीन प्रखंड अध्यक्षों का समर्थन आवश्यक था। निर्धारित समयावधि तक इस पद के लिए केवल एक ही नामांकन प्राप्त होने पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जांचोपरांत इसे वैध घोषित किया गया और श्रीमती अर्चना आनन्द को निर्विरोध जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। इसके बाद उन्हें जीत का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रौशन पाठक, पूर्व प्रदेश महासचिव शिवेन्द्र कुमार जीशू, जिला प्रधान महासचिव चूड़ामणि झा सहित 91 ग्राम पंचायतों के पंचायत अध्यक्ष मौजूद रहे। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेता शंभू कुशवाहा, पवन झा, सुमन राय, मझरुद्दीन खान, आरती देवी, सलामत राईन, संजीत पासवान, विकास कुमार एवं सिंटू पोद्दार भी उपस्थित रहे।

बिहार में खनन माफियाओं पर सख्ती की तैयारी

लोकतंत्र की शान , पटना

अगस्त से डिजिटल निगरानी सिस्टम लागू होने की उम्मीद, जांच से जुर्माना तक, सब कुछ ऑनलाइन होगा

बिहार में अवैध खनन और बिना वैध कागजात के खनिज परिवहन पर रोक लगाने के लिए खान एवं भूतत्व विभाग बड़े स्तर पर तकनीकी बदलाव की तैयारी में है। विभाग अगस्त महीने से एक नई डिजिटल निगरानी और कार्रवाई प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है, जिसके तहत जिलों में तैनात खान निरीक्षकों को हैंडहेल्ड डिजिटल मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। इन मशीनों की मदद से निरीक्षक मौके पर ही जांच कर सकेंगे। चालान काट सकेंगे और जुर्माने की राशि भी तत्काल वसूल कर सकेंगे। विभाग का मानना है कि इस नई व्यवस्था से अवैध खनन, ओवरलोडिंग और बिना चालान खनिज परिवहन जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। साथ ही कार्रवाई की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी।

अवैध खनन पर सख्ती की तैयारी: राज्य सरकार लंबे समय से अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसके बावजूद कई इलाकों में बिना अनुमति खनन और नियमों की अनदेखी कर खनिज ढुलाई की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों में कार्रवाई तो होती है, लेकिन कई बार प्रक्रिया लंबी होने के कारण उसका प्रभाव अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाता। इसी चुनौती को देखते हुए खान एवं भूतत्व विभाग ने कार्रवाई को पूरी तरह डिजिटल बनाने का फैसला किया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस व्यवस्था को लेकर उच्च स्तर पर चर्चा हो चुकी है और अंतिम मंजूरी मिलने के बाद इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।

मौके पर ही होगी वाहन और दस्तावेजों की जांच: नई प्रणाली लागू होने के बाद खान निरीक्षक खनिज लदे वाहनों की जांच के दौरान हैंडहेल्ड मशीन का उपयोग करेंगे। मशीन के माध्यम से वाहन संख्या, खनिज की मात्रा, परिवहन चालान, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जा सकेगा। यदि जांच के दौरान किसी वाहन के पास वैध कागजात नहीं पाए जाते हैं या खनिज परिवहन नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो निरीक्षक तुरंत डिजिटल चालान जारी कर सकेंगे। इससे कार्रवाई के लिए अलग से कागजी प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ओवरलोडिंग और बिना चालान परिवहन पर रहेगा विशेष फोकस: खनन विभाग की नजर खास तौर पर उन वाहनों पर रहेगी जो निर्धारित सीमा से अधिक खनिज लेकर चल रहे हैं या बिना वैध चालान के खनिज परिवहन कर रहे हैं। विभाग का मानना है कि ऐसे मामलों से सरकार को राजस्व का नुकसान होता है और खनन नियमों की भी अनदेखी होती है। नई डिजिटल व्यवस्था के जरिए ऐसे वाहनों की पहचान तुरंत हो सकेगी और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। इससे नियमों का पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

जुर्माने की राशि भी मौके पर होगी जमा

नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि नियम उल्लंघन करने वालों को जुर्माना जमा कराने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। डिजिटल मशीन के माध्यम से मौके पर ही जुर्माने की राशि जमा कराई जा सकेगी। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी। नकद लेन-देन की संभावना कम होगी और सभी भुगतान का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा।

मुख्यालय से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

खनन विभाग इस पूरी प्रणाली को ऑनलाइन मॉनिटरिंग नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी में है। इसका फायदा यह होगा कि किसी भी जिले में की गई कार्रवाई की जानकारी तत्काल विभागीय मुख्यालय तक पहुंच जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी यह देख सकेंगे कि किस जिले में कितने वाहनों की जांच हुई, कितने चालान जारी किए गए और कितनी राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई।

संक्षिप्त समाचार

सोनीपत,, एचएसवीपी के अधीक्षक अभियंता- काम- कार्यकारी अभियंता श्री अजीत सिंह को दिया मांग पत्र

लोकतंत्र की शान : सोनीपतः राजेंद्र करनाल की रिपोर्टः असली हुडा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन नंबर 1266 जिला कमेटी सोनीपत का शिष्ट मडल यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आर.के. नागर ने बताया कि, एच.एस. वी.पी. सोनीपत में कौशल रोजगार निगम के तहत सेवारत कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से जॉब सिक्योरिटी लेटर दिलाने की मांग के बारे में 15 जून तक लेटर दिलाने की बात स्वीकार की है। कुछ रेगुलर कर्मचारी अपनी बदली करवाना चाहते थे ,उनकी बदली तुरंत प्रभाव से राजीव गांधी एजुकेशन सिटी डिविजन सोनीपत में कर दी है। परंतु कुछ कामचोर और नालायक कर्मचारी ड्यूटी नहीं दे रहे थे ,और कुछ बोगस नेता बनकर कर्मचारियों व अधिकारियों पर रोब जमाते रहते थे ।उनकी भी बदली दाएं बाएं करने का आश्वासन दिया है। और उनके कार्यालय में आने पर बैन लगा दिया है। कुछ कच्चे कर्मचारी विभाग के बड़े स्टाफ क्वार्टरों पर वर्षों से अवैध कब्जा किए बैठे थे उनके कब्जे खाली करवाने का भी आश्वासन दिया है। क्वार्टर खाली करने का मांग पत्थर संपदा अधिकारी सोनीपत को भी दिया गया है। जिस कर्मचारी का जो पद है उस कर्मचारी से वही काम लेने के आदेश जारी कर दिएहैं। क्योंकि कई कौशल रोजगार निगम के कर्मचारी अवैध रूप से राजीव गांधी एजुकेशन सिटी डिवीजन कार्यालय में बैठकर ठेकेदारों के साथ हिस्सा पत्ती डालकर ठेकेदारी का काम भी कर रहे थे। और उनके गलत बिल बना रहे थे। उनकी बदली के आदेश फील्ड में कर दिए हैं। आर.के नागर ने बताया कि, जो बोगस और नकली तथा गद्दार कर्मचारी अवैध रूप से हुड़ा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन नंबर 1266 के नाम पर बोगस चुनाव करा नेतागिरी दिखा रहे थे, उनके खिलाफ कार्यकारी अभियंता ने मिलने पर तथा उनके लेटर पत्रों पर कार्रवाई करने पर बैन लगा दिया है। यह सबसे विशेष मांग पूरी की गई है। हुडा यूनियन शिष्ट मंडल ने अधिकारियों का तहे दिल से धन्यवाद किया और सभा समाप्त की। अधिकारियों से मिलने वाले डेपुटेशन में सर्वश्री सुरेश रोहिल्ला, राज्य कोषाध्यक्ष, श्री राकेश त्यागी जिला चेयरमैन ,श्री सुरेंद्र सिंह जिला प्रधान, श्री जगदीश वी सुरेंद्र रंगा,श्री विनोद कुमार कार्यकारिणी सदस्य, तथा श्री ध्रुव कुमार राज्य व जिला प्रेस सचिव शामिल रहे

हरियाणा पुलिस भर्तीः पीएमटी में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती के शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) में अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर देने का फैसला किया है।आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि पुरुष कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) और पुरुष कांस्टेबल (गवर्नमेंट रेलवे पुलिस) भर्ती के लिए शारीरिक माप परीक्षण में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर दिया जाएगा। आयोग ने इस संबंध में सार्वजनिक सूचना जारी कर 1 जून से 5 जून 2026 तक विशेष पीएमटी कार्यक्रम घोषित किया है।आयोग के अनुसार, विज्ञापन संख्या 01/2026 की श्रेणी संख्या 01 और 03 के तहत आयोजित पीएमटी के दौरान जो अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो सके थे, उन्हें अब एक अंतिम मौका दिया जा रहा है। यह परीक्षण पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार 20 अप्रैल से 1 मई के बीच अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों का पीएमटी 1 जून को, 2 मई से 9 मई के बीच अनुपस्थित अभ्यर्थियों का 2 जून को, 11 मई से 16 मई के बीच अनुपस्थित रहे उम्मीदवारों का 3 जून को, 18 मई से 23 मई के बीच अनुपस्थित उम्मीदवारों का 4 जून को तथा 25 मई से 30 मई के बीच अनुपस्थित अभ्यर्थियों का पीएमी पांच जून को कराया जाएगा। सभी अभ्यर्थियों को सुबह 6:30 बजे रिपोर्ट करना होगा और सुबह 10 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एचएसएससी ने यह भी साफ किया है कि इस कार्यक्रम के लिए कोई अलग प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर भी पीएमटी में उपस्थित नहीं होता है, तो उसे आगे कोई अन्य अवसर नहीं दिया जाएगा।

गुरुग्राम-दिल्ली हाईवे पर मुठभेड़ में हिमांशु भाऊ गैंग के दो शार्प शूटर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर हाईवे 48 पर बीती रात क्राइम ब्रांच सेक्टर-40 ने कुख्यात हिमांशु भाऊ गैंग के दो शार्प शूटरों को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया। क्रॉस फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी है। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को शार्प शूटरों की मूवमेंट की सूचना मिली थी। जब टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से 10 से 15 राउंड फायरिंग हुई। बदमाशों की फायरिंग में सीआईए-40 की सरकारी गाड़ी पर तीन गोलियां लगीं। गनीमत रही कि पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैरों में लगी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े और पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। घायल अपराधियों को तुरंत इलाज के लिए सेक्टर-10 के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपियों की पहचान कर्ण उर्फ रोनी और प्रवेश के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली के कंझावला गांव के रहने वाले हैं। पकड़े जाने के समय दोनों काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर जा रहे थे। उनके पास से दो पिस्तौल भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने बाइक और हथियार कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों से पूछताछ कर गैंग की अन्य गतिविधियों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

सोनीपतः हैरिटेज वॉक हमारी संस्कृति और इतिहास से जुड़ने का माध्यमः डॉ. अरविंद शर्मा

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से शनिवार को विरासत एवं सिटी वॉक का आयोजन किया गया। यह यात्रा एथनिक इंडिया, राई से शुरू होकर ऐतिहासिक बड़खालसा मेमोरियल तक पहुंची। कार्यक्रम मेंहरियाणा के पर्यटन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि रहे। बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और नागरिकों ने भाग लिया। आओ चलेंअपनी विरासत के साथ अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और पर्यटकों को प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों से जोड़ना रहा। डॉ. अरविंद शर्माने कहा कि विरासत केवल पुराने भवनों और स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं और पहचान का प्रतीक है। खरखौदा विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि हरियाणा की धरती गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपने इतिहास और महान व्यक्तित्वों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि विरासत स्थलों का संरक्षण केवल सरकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ओएसडी विरेंद्र बड़खालसा ने कहा कि बड़खालसा मेमोरियल जैसे ऐतिहासिक स्थल प्रदेश की अमूल्यधरोहर हैं। ऐसे कार्यक्रम लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ समाज में सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विरासत संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। यात्रा के समापन पर प्रतिभागियों को बड़खालसा मेमोरियल के इतिहास की जानकारी दी गई। बताया गया कि वर्ष 1675 में जब गुरु तेग बहादुर का पावन शीश दिल्ली से आनंदपुर साहिब ले जाया जा रहा था, तब मुगल सेना उसका पीछा कर रही थी। डॉ. अरविंद शर्मा ने दादा कुशाल सिंह दहिया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। ऐसे महान वीरों के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक नरवाल, जिला महामंत्री तरुण देवीदास, मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, शेखर अंतिल, विकास कौशिक, मंजीत सिंह, अजीत सिंह, बड़खालसा सरपंच राकेश, कुलविंदर, अनिल शर्मा, प्रदीप भारद्वाज, राज सिंह, हरियाणा पर्यटन निगम के बिजेंद्र शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

किराना दुकान में बिक रही थी देशी विदेशी शराब

कुसमी पुलिस ने की छापामार कार्रवाई

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक किराना दुकान से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी कुसमी संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 29 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम टमसार में एक व्यक्ति अपनी किराना दुकान में अवैध शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर थाना कुसमी पुलिस ने टीम गठित कर दुकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान दुकान से 10 खाकी रंग के कार्टूनों में रखी देशी एवं अंग्रेजी शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 79.94 लीटर बताई गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 61,297 रुपये आंकी गई है। मौके से पुलिस ने कैलाश जायसवाल 50 वर्ष निवासी टमसार को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

कार्यवाही में यह रहे शामिल

इस कार्रवाई में उप निरीक्षक प्रदीप सिंह, प्रधान आरक्षक कमलेश प्रजापति तथा आरक्षक शिवराम वैस एवं शुभम सिंह की विशेष भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में टमसार क्षेत्र में अवैध शराब के परिवहन और बिक्री को लेकर विभिन्न प्रकार की चर्चाएं चल रही थीं। पुलिस की इस आधिकारिक कार्रवाई के बाद मामले की जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

करणी सेना के जिलाध्यक्ष बने राज सिंह चौहान

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। करणी सेना परिवार के विस्तार एवं संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अम्मू की सहमति से तथा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र सिंह डोडिया एवं रीवा संभाग अध्यक्ष कुंवर मुन्नू ठाकुर के निर्देशानुसार सीधी जिले की कमान राज सिंह चौहान को सौंपी गई है। उत्तर करौंदिया, वार्ड क्रमांक 11 निवासी राज सिंह चौहान (पिता राजेश सिंह चौहान) को करणी सेना का सीधी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन नेतृत्व ने उनके सामाजिक सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण एवं समाजहित में किए जा रहे कार्यों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की है। नियुक्ति के उपरांत राज सिंह चौहान ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे करणी सेना की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, समाज हित के मुद्दों को मजबूती से उठाने तथा संगठन को जिले के प्रत्येक गांव और वार्ड तक विस्तार देने के लिए पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राज सिंह चौहान को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। करणी सेना के इस निर्णय से जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

ब्लॉक अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी एवं मंडलम अध्यक्षों की आवश्यक बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत बनाने पर हुई विस्तृत चर्चा

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जिला कांग्रेस कमेटी शहर द्वारा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से ब्लॉक अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी सदस्यों एवं मंडलम अध्यक्षों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कांग्रेस की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, जनहित के मुद्दों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी को अपने क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदैव जनता की आवाज उठाने वाली पार्टी रही है और कार्यकर्ताओं की एकजुटता एवं मेहनत से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले जनआंदोलनों एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करना होगा। बूथ एवं मंडलम स्तर तक संगठन को मजबूत करना ही कांग्रेस की प्राथमिकता है।

चुरहट में बिजली व्यवस्था चरमराई जेई की मनमानी से व्यापारी आक्रोशित

» नगर परिषद के रहवासियों ने कलेक्टर का कराया ध्यान आकृष्ट

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में बिजली कटौती पर लगाम नहीं लग पा रहा है, विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शिकायत के बाद भी सुधार को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि एक ओर राज्य सरकार द्वारा 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे किए जा रहे हैं, वहीं चुरहट विद्युत मंडल की लचर व्यवस्था ने इन दावों की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का आरोप है कि चुरहट क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से अव्यवस्थित हो गई है और जिम्मेदार अधिकारी मनमानी पर उतर आए हैं। बताया जा रहा है कि चुरहट के जेई अमित राज के कार्यकाल में बिजली की आंख-मिचौली आम बात हो गई है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिनभर में कई बार बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि शासन स्तर से 24 घंटे बिजली देने की घोषणा की गई थी, लेकिन हकीकत में लोगों को मुश्किल से 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। व्यापारियों में इसको लेकर खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। उनका कहना है कि लगातार बिजली आने-जाने से उनके उपकरण खराब हो रहे हैं। पंखे, कूलर और बल्ब बार-बार जल जा रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। गर्मी के इस मौसम में बिजली कटौती ने स्थिति और भी बदतर कर दी है। स्थानीय व्यापारियों ने सवाल उठाया है कि आखिर इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, अन्यथा उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सीधी पुलिस की तत्परता से दो नाबालिग बालिकाएं सकुशल दस्तयाब

(ऋचा पाण्डेय, ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर सीधी पुलिस की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं संबंधित एसडीओपी के मार्गदर्शन में थाना कमर्जी एवं भुइमाड़ पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया। वहीं एक मामले में आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पिता की डांट से घर छोड़कर गई बालिका, 7 घंटे में मिली थाना कमर्जी क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग बालिका के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर खोजबीन शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की सहायता से पुलिस ने मात्र 7 घंटे के भीतर बालिका को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ में बालिका ने बताया कि पिता की डांट-फटकार से नाराज होकर वह घर छोड़कर चली गई थी। सुरक्षा और संरक्षण के दृष्टिगत उसे वन स्टॉप सेंटर सीधी में रखा गया, जहां काउंसलिंग के बाद उसे विधिवत माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कमर्जी उप निरीक्षक इन्द्राज सिंह, सउनि मनोज वर्मा एवं थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेचने की नीयत से ले जाई गई बालिका को दमोह से छुड़ाया दूसरे मामले में थाना भुइमाड़ क्षेत्र की 17 वर्षीय बालिका के घर से लापता होने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि पड़ोस की एक महिला बालिका को बहला-फुसलाकर बेचने की नीयत से अपने साथ दमोह ले गई है। सूचना मिलते ही थाना भुइमाड़ पुलिस ने तत्काल दमोह पहुंचकर बालिका को सकुशल बरामद किया तथा आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद बालिका को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया, जबकि आरोपी महिला को न्यायालय में पेश किया गया। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी भुइमाड़ डी.डी. सिंह एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने की आमजन से अपील सीधी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नाबालिग बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। "नाबालिगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, त्वरित कार्रवाई से दो परिवारों की लौटी खुशियां"।

पोस्ट ऑफिस, एवं पुलिस थाना बउंड्री वाल से लगी फल वालों काअतिक्रमण के चलते आम जनता को हो रही परेशानी नगर निगम आयुक्त ध्यान दें

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : नगर निगम प्रशासन या तो इस बातसे अन्यज्ञ है या जानबूझकर ध्यान नही दे रही नगर निगम से लेकर पोस्टऑफिस से लगी बाउंड्री एवं पुलिसथाना से लगी बाउंड्री जो फल ठेला के द्वारा रोड पूरी तरह से ब्लॉक कर रखे हैं आवागमन को लेकर आम जनता को हो रही परेशानी बीचरोड में ट्रैफिक जाम होने से निकालने वालों को परेशानी का समना करना पढ़ रहा है करण फल केठेला वाले सड़क के किनारे लगाकर रोड जाम कर देते हैं नगर निगम की लापरवाही के चलते ध्यान नहीं दिया जा रहा नगर निगम आयुक्त अतिक्रमण को मुक्त करनेके लिए जोरदार प्रदर्शन कर रही है इसका उदाहरण सुभाष चौक में देखने को मिला इसी तरह साधुराम स्कूल से लेकर मिशन चौक तक जिसमें पुलिस। थाना पोस्ट ऑफिस के पास सच के पास और पंजाब नेशनल बैंक फूल वालेसे लेकर अंडा कोजी भंडार पर गाड़ी का खड़ा होना इस तरह रोड अवरोध करके आवागमन के चलते रोड अवरोधहो जाता है नगर निगम आयुक्त को इस और ध्यान देनाचहिए और अतिक्रमण को हटाना चाहिए उसे पर कार्यवाही करें।

पीएम स्वनिधि योजनाः नगर निगम जयपुर में 1 जून से तीन दिवसीय ऋण वितरण शिविर

लोकतंत्र की शान

जयपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को द्वितीय ऋण उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम जयपुर और यस बैंक के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 1 जून से 3 जून 2026 तक नगर निगम मुख्यालय के गेट नंबर-2 (दक्षिण द्वार) स्थित हॉल में आयोजित होगा।उपायुक्त (डीई-एनयूएलएम) श्याम जांगिड़ ने बताया कि शिविर में पीएम स्वनिधि योजना के पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ देते हुए द्वितीय ऋण किस्त स्वीकृत एवं वितरित की जाएगी। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र स्ट्रीट वेंडर्स से शिविर में पहुंचकर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।पीएम स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती दरों पर कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराकर उनके स्वरोजगार को मजबूत करना है। योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया जाता है।योजना के अनुसार प्रथम ऋण के रूप में 15 हजार रुपए, द्वितीय ऋण के रूप में 25 हजार रुपए तथा तृतीय ऋण के रूप में 50 हजार रुपए तक की राशि प्रदान की जाती है। द्वितीय ऋण प्राप्त करने के लिए प्रथम ऋण का समय पर भुगतान करना अनिवार्य है, जबकि तृतीय ऋण के लिए द्वितीय ऋण की किश्तों का नियमित भुगतान आवश्यक होता है।योजना के तहत ऋण की किस्तों का नियमित और समय पर भुगतान करने वाले लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी का लाभ भी दिया जाता है।इससे स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके व्यवसाय के विस्तार में मदद मिलती है।नगर निगम प्रशासन ने पात्र लाभार्थियों से निर्धारित तिथियों में शिविर में उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ योजना का लाभ लेने का आग्रह किया है।

प्लास्टिक मुक्त सीधी अभियान को मिली नई गति, पथ विक्रेताओं को किया गया जागरूक

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी । कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन तथा डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण प्रिया पाठक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की संयुक्त टीम द्वारा नगर क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को रोकने एवं "प्लास्टिक मुक्त सीधी" अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पथ विक्रेताओं के साथ व्यापक जनजागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान पथ विक्रेताओं को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य तथा स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैले, कागज, जूट तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल वैकल्पिक सामग्रियों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को "प्लास्टिक मुक्त सीधी" अभियान के उद्देश्य एवं महत्व से अवगत कराते हुए अपील की गई कि वे सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करें तथा स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण हितैषी सीधी के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्हें यह भी बताया गया कि छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलाव पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दे सकते हैं। पथ विक्रेताओं ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाने तथा अपने ग्राहकों और आम नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस जनजागरूकता गतिविधि के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने का सार्थक प्रयास किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के सिटी मिशन मैनेजर संदीप मिश्रा, मनोज कुमार चौबे एवं दिलीप कुमार विश्वकर्मा तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संकुल प्रभारी अशोक पांडे सहित मिशन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

'डेस्परेट हाउसवाइव्स' की स्टार ईवा लोंगोरिया का खुलासा दो बार स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवॉर्ड से हो चुकी हैं सम्मानित

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड अभिनेत्री ईवा लोंगोरिया ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि उन्होंने आज तक अपना बेहद लोकप्रिय धारावाहिक 'डेस्परेट हाउसवाइव्स' नहीं देखा है। वर्ष 2004 से 2012 तक प्रसारित हुए इस चर्चित शो में ईवा ने गैब्रिएल सोलिस का मुख्य किरदार निभाया था, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान दिलाई। इस शो में उनके बेहतरीन अभिनय को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था, जिसके लिए उन्हें दो बार स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और साथ ही गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड के लिए भी नामांकित किया गया था। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान ईवा ने कहा कि आजकल लोग इस शो को दोबारा देख रहे हैं और यह ऑनलाइन स्ट्रीमिंग मंचों पर काफी लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई प्रशंसक उन्हें भी यह शो देखने का परामर्श देते हैं, परंतु वह हमेशा इसके लिए मना कर देती हैं। ईवा के अनुसार, चूंकि वह स्वयं इस धारावाहिक का हिस्सा रही हैं और इसकी मेकिंग को करीब से देखा है, इसलिए उन्हें इसे एक दर्शक के रूप में देखने की आवश्यकता कभी महसूस नहीं हुई। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल वर्तमान में ही नहीं, बल्कि उस समय भी इस शो को नहीं देखा था जब यह पहली बार टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा था, क्योंकि वे कभी अपना काम बैठकर नहीं देखतीं। इस धारावाहिक में ईवा के अतिरिक्त टेरी हैचर, फेलिसिटी हफमैन, मार्सिया क्रॉस और निकोलेट शेरिडन जैसे कई नामचीन कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। यह शो कुल 180 कड़ियों तक चला और अपने समय के सबसे सफल टेलीविजन कार्यक्रमों में शुमार रहा। जब उनसे इस शो के नए संस्करण (रीबूट) के निर्माण को लेकर प्रश्न पूछा गया, तो ईवा ने बताया कि शो के निर्माता मार्क चेरी वर्तमान में इसे दोबारा शुरू करने के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं। उनके अनुसार, शो के सभी मुख्य किरदारों की कहानियों को पहले ही पूरी तरह से विस्तार से दिखाया जा चुका है, इसलिए उसी काल्पनिक दुनिया को फिर से सृजित करना सरल नहीं होगा। ईवा ने बदलते दौर के टेलीविजन पर टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि पहले के धारावाहिकों में वर्षभर में लगभग 24 कड़ियां बनाई जाती थीं, जबकि आजकल के अधिकांश शो केवल 6 या 8 कड़ियों तक ही सीमित रह गए हैं।

मप्र में 'चाइल्ड हेल्पलाइन-1098' बनी बच्चों का सुरक्षा कवच, 30 हजार से अधिक को मिला नया जीवन

भोपाल। मध्य प्रदेश में 'चाइल्ड हेल्पलाइन-1098' प्रदेश के संकटग्रस्त, शोषित और बेसहारा बच्चों के लिए एक बेहद सशक्त और अभेद्य सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस हेल्पलाइन के माध्यम से 30 हजार 810 संकटग्रस्त बच्चों को सहायता पहुंची और उन्हें नया जीवन मिला। जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने शनिवार को बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लगभग ढाई साल के कार्यकाल में राज्य ने महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में संवेदनशीलता और गवर्नेंस के एक नये प्रतिमान स्थापित किये हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'मिशन वात्सल्य' योजना में चाइल्ड हेल्पलाइन 24 घंटे कार्य कर रही है। यह हेल्पलाइन प्रदेश में हजारों बच्चों को हिंसा, बाल श्रम और मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाकर उनका पुनर्वास सुनिश्चित कर रही है। सरकार के इस प्रभावी कदम से न केवल संकट के समय बच्चों को आपातकालीन मदद मिल रही है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस हेल्पलाइन की व्यापकता और रिस्पॉन्स टाइम में अभूतपूर्व सुधार आया है, जिसका अंदाजा विभागीय आंकड़ों से साफ लगाया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस हेल्पलाइन से रिकॉर्ड 30 हजार 810 संकटग्रस्त बच्चों को सहायता पहुंचाई गई। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी हेल्पलाइन की टीम पूरी मुस्तैदी से डटी हुई है, जहां महज 15 मई तक ही 4 हजार 376 बच्चों तक त्वरित मदद पहुंचाई जा चुकी है। अब तक 2 हजार 367 मामलों का पूरी तरह से निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष बचे मामलों में जिला स्तर पर फॉलो-अप कार्रवाई तेजी से जारी है।

केटरिंग स्टाफ के शौचालय में खाने के बर्तन धोने के मामले पर एफएसएसएआई ने भेजा आईआरसीटीसी को नोटिस

नई दिल्ली। एलटीटी–एर्नाकुलम दुरंतो एक्सप्रेस में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वैधानिक नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद की गई, जिसमें कथित तौर पर कैटरिंग स्टाफ को ट्रेन के शौचालय क्षेत्र में बर्तन धोते हुए देखा गया था। इस वीडियो सामने आने के बाद यात्रियों और आम लोगों में रेलवे खानपान सेवाओं की स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंताएं उठने लगीं हैं। एफएसएसएआई ने शनिवार को मामले को गंभीरता से लेते हुए आईआरसीटीसी से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है और विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है, जिससे यात्रियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एफएसएसएआई ने एक्स पर जारी अपने एक बयान में कहा कि ट्रेन संख्या 12223 में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के गंभीर उल्लंघन के संबंध में आईआरसीटीसी को 28 मई को एक वैधानिक नोटिस जारी किया है और इस मामले पर तत्काल एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, आईआरसीटीसी ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं।

महाराष्ट्र के बोरेगांव को मप्र के शाहपुर से जोड़ने वाले एनएच-753एल का कार्य लगभग पूरा, जल्द होगा शुरू

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बोरेगांव को मध्यप्रदेश के शाहपुर से जोड़ने वाले करीब 944 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 47 किलोमीटर लंबे एनएच-753एल का कार्य लगभग पूरा हो गया है। जल्द ही इसका उद्घाटन कर इसे यातायात के लिए चालू कर दिया जाएगा। यह नया चार लेन राजमार्ग मध्य भारत के कृषि-प्रधान क्षेत्र को आधुनिक संपर्क प्रदान करेगा और इंदौर से छत्रपति संभाजीनगर तक तेज सुरक्षित और सुगम आवागमन का मार्ग बनेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह परियोजना भारतमाला योजना के अंतर्गत विकसित की जा रही है और इसका 85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यह मार्ग बोरेगांव बुजुर्ग से मुक्तैनगर (महाराष्ट्र) तक विस्तारित कॉरिडोर का हिस्सा है, जो मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अंतरराज्यीय संपर्क को नई दिशा देगा। यह सड़क स्थानीय किसानों और व्यापारियों के लिए बड़ी राहत साबित होगी क्योंकि खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र देश का केला उत्पादन केंद्र हैं, जहां से प्रतिदिन भारी मात्रा में ट्रक माल घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक जाते हैं। मंत्रालय ने बताया कि परियोजना में 1 रेलवे ओवरब्रिज, 7 बड़े पुल, 20 छोटे पुल, 98 कल्वर्ट और 14 अंडरपास बनाए जा रहे हैं। साथ ही 26 किलोमीटर लंबा बाईपास और 19 किलोमीटर सेवा मार्ग तैयार किए जा रहे हैं ताकि कस्बों में भीड़भाड़ कम हो और स्थानीय यातायात सुरक्षित बना रहे। मंत्रालय ने कहा कि यह कॉरिडोर केवल स्थानीय संपर्क ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच एक वैकल्पिक आर्थिक गलियारे के रूप में उभरेगा। यह राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र में लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य व आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच आसान करेगा।

'विकसित भारत 2047' हर भारतीय का सपना बनेः नितिन नवीन

एजेंसी, देहरादून

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जो विकसित भारत 2047 का सपना है, वो केवल उनका सपना नहीं है, बल्कि हर भारतवासी का सपना बनना चाहिए। हर भारतीय को विकसित भारत के संकल्प को अपना सपना बनाकर उसे साकार करने के लिए योगदान देना होगा। भाजपा अध्यक्ष शनिवार को देहरादून के शिवालिक कॉलेज में 'विकसित भारत 2047 का निर्माणः उच्च शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका' विषय पर आयोजित प्रबुद्ध गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था जब भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। एक समय था जब इस भारत को केवल मजदूरों का देश की संज्ञा दी जाती थी। कहा जाता था कि भारत केवल संख्या मात्र है। इस भारत को गरीब देश की संज्ञा दी जाने लगी थी, लेकिन सोने की चिड़िया वाला भारत आज फिर से 'मेक इन इंडिया' वाला भारत बनकर उभर रहा है। जहां हर भारतवासी वोकल फॉर लोकल के साथ भारतीय रिसर्च और संस्कृति को लेकर आगे बढ़ रहा है।

नितिन नवीन ने कहा कि योग, भारतीय संस्कृति और तकनीकी नवाचारों ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया है। कोरोना काल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भरता की भावना के साथ चुनौतियों का सामना किया। देश अब केवल 'मैनपावर' नहीं बल्कि 'मैन्युफैक्चरिंग पावर' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विभिन्न राज्यों में निवेश बढ़ रहा है और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार के कार्यों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई शक्ति देने वाला ऐतिहासिक कदम है। यह निर्णय महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्रदेश की हजारों बेटियों और महिलाओं को मिलेगा, जिससे उनकी भागीदारी शासन और प्रशासन में और अधिक बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया गया है और उत्तराखंड सरकार उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने का कार्य कर रही है। यह निर्णय राज्य की मातृशक्ति के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं, युवाओं और समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। 'लखपति दीदी' जैसी योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही हैं। देश में स्टार्टअप की बढ़ती संख्या भारत की नई ऊर्जा का प्रतीक है।

डिजिटल हेल्थ मिशन में भारत ने दर्ज की बड़ी उपलब्धि

90 करोड़ के पार पहुंचा आभा अकाउंट

एजेंसी, नई दिल्ली

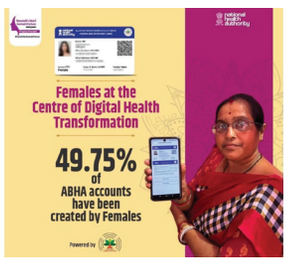

देश ने डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज करते हुए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत 90 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) बनाए जा चुके हैं। आभा एक 14 अंकों की डिजिटल हेल्थ आईडी है, जिसके माध्यम से नागरिक अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से जोड़, देख और जरूरत पड़ने पर अपनी सहमति से साझा कर सकते हैं। इससे मरीजों को बार-बार मेडिकल दस्तावेज साथ रखने की आवश्यकता कम होती है और इलाज की प्रक्रिया अधिक सरल बनती है। शनिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने पिछले पांच साल के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 में जहां 14.7 करोड़ खाते थे, वहीं 2022 में यह संख्या 30.4 करोड़, 2023 में 50.6 करोड़, 2024 में 72.2 करोड़ और 2025 में 84.5 करोड़ तक पहुंच गई। अब 2026 में यह आंकड़ा 90 करोड़ के पार निकल गया है।

राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश 15.3 करोड़ से अधिकआभा खातों के साथ देश में पहले स्थान पर है। राजस्थान और महाराष्ट्र में 7.1-7.1 करोड़, बिहार में 6.3 करोड़ तथा पश्चिम बंगाल में 5.9 करोड़ आभा बनाए जा चुके हैं।

महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही है। कुल आभा धारकों में लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ती भागीदारी और जागरूकता को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल ने बयान जारी कर कहा कि 90 करोड़ से अधिक आभा खातों का निर्माण नागरिकों, राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और विभिन्न साझेदार संस्थाओं के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आभा नागरिकों को अपनी स्वास्थ्य जानकारी पर सुरक्षित और सहमति-आधारित नियंत्रण प्रदान करता है तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुगम और प्रभावी बनाएगा।

भारत-नेपाल सीमा से अवैध प्रवेश मामले में अमेरिकी नागरिक को ढाई वर्ष की सजा

एजेंसी, किशनगंज

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के मामले में किशनगंज की एक अदालत ने एक अमेरिकी नागरिक को दोषी करार देते हुए दो वर्ष छह माह के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने की स्थिति में उसे एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-प्रथम सुरेश प्रसाद सिंह की अदालत ने विदेशी अधिनियम के तहत दोषी पाए गए शफीउल आलम को यह सजा सुनाई। अदालत में प्रस्तुत अभिलेखों के अनुसार शफीउल आलम अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य के अटलांटा सिटी स्थित नॉर्थ हार्डफोर्ट एवेन्यू का निवासी है। यह फैसला सत्र परीक्षण वाद संख्या 110/2025 तथा दिघलबैंक थाना कांड संख्या 38/2024 में सुनाया गया। मामले की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक सुरेन प्रसाद साहा ने बताया कि 30 मार्च 2024 को भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 12वीं वाहिनी को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल के रास्ते एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक भारत में प्रवेश कर चुका है। सूचना के आधार पर एसएसबी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दिघलबैंक बाजार क्षेत्र में छापेमारी की। अभियान के दौरान शफीउल आलम को हिरासत में लिया गया। उसके साथ पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के निवासी मुहम्मद मुखलेश को भी गिरफ्तार किया गया था, जिस पर अवैध घुसपैठ में सहयोग करने का आरोप लगाया गया था।

वंदे भारत में नो टिकट-नो एंट्री,9 यात्रियों से वसूले 21 हजार रुपए

एजाज़ अहमद उस्मानी।

- ट्रेन में जनरल व प्लेटफॉर्म टिकट वैध नहीं,
- 9 बेटिकट यात्रियों से 21 हजार वसूले।

मेड़ता रोड। वंदे भारत एक्सप्रेस में बिना टिकट या बिना आरक्षण यात्रा करना यात्रियों को भारी पड़ सकता है। दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में शुक्रवार को टिकट जांच के दौरान 9 यात्री बिना वैध टिकट यात्रा करते पकड़े गए। रेलवे ने उनसे किराया और जुर्माना मिलाकर कुल 21,457 रुपए वसूले। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वंदे भारत जैसी पूर्णतः आरक्षित प्रीमियम ट्रेन में बिना पेनल्टी टिकट जारी करने का कोई प्रावधान नहीं है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस पूर्णतः आरक्षित श्रेणी की ट्रेन है। ऐसे में बिना आरक्षण अथवा वैध यात्रा प्राधिकार के सफर करना रेलवे नियमों का उल्लंघन है। जांच के दौरान पकड़े गए यात्रियों को देय किराए के साथ अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि वंदे भारत में ट्रेन के भीतर बिना पेनल्टी टिकट जारी करने की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में गलती,जल्दबाजी या गलतफहमी में ट्रेन में चढ़ने वाले यात्रियों को भी नियमानुसार किराया एवं जुर्माना भरना पड़ सकता है। यदि कोई यात्री अगले स्टेशन पर उतरना चाहता है तो उसे भी निर्धारित नियमों के तहत देय राशि का भुगतान करना आवश्यक होता है। रेलवे ने यात्रियों से ट्रेन में सवार होने से पहले ट्रेन संख्या, गंतव्य स्टेशन और कोच की जानकारी की पुष्टि करने की अपील की है। वंदे भारत एक्सप्रेस में ऑटोमेटिक डोर सिस्टम लगा हुआ है, जिसके तहत ट्रेन रवाना होने से पहले सभी दरवाजे स्वतः बंद हो जाते हैं और यात्रा के दौरान लॉक रहते हैं। ऐसे में ट्रेन चलने के बाद बीच रास्ते में चढ़ना या उतरना संभव नहीं होता। रेल प्रशासन ने अपनों को छोड़ने स्टेशन आने वाले लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। डीआरएम के अनुसार प्लेटफॉर्म टिकट केवल स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर प्रवेश की अनुमति देता है,ट्रेन में यात्रा की नहीं। ऐसे में परिजनों को छोड़ने आए लोगों को ट्रेन के भीतर नहीं चढ़ना चाहिए। प्लेटफॉर्म टिकट लेकर ट्रेन में पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ रेलवे नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

9 यात्रियों से वसूले 21 हजार रुपए- जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि शुक्रवार रात जोधपुर पहुंची ट्रेन संख्या 26481 दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में कुल 9 यात्री बिना टिकट पाए गए। चेकिंग स्टाफ राजेन्द्र कुमार यादव एवं हुकमाराम द्वारा इन यात्रियों से 11,457 रुपए किराया तथा 10 हजार रुपए जुर्माना सहित कुल 21,457 रुपए वसूले गए। उन्होंने बताया कि मंडल पर सघन टिकट जांच अभियान निरंतर जारी है।

तेज अंधड़ और बारिश का कहरः मेड़ता रोड समेत ग्रामीण क्षेत्रों में गिरे पेड़ व बिजली पोल, बिजली व्यवस्था चरमराई

एजाज़ अहमद उस्मानी।

मेड़ता रोड। क्षेत्र में शुक्रवार देर रात आए तेज अंधड़ और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। अचानक बदले मौसम के कारण मेड़ता रोड सहित आसपास के कई गांवों में तेज हवाओं के साथ हुई बरसात से जगह-जगह पेड़ और बिजली के पोल गिर गए, जिससे विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। तेज हवा के चलते कई स्थानों पर सड़क किनारे खड़े पेड़ धराशायी हो गए, जबकि अनेक क्षेत्रों में बिजली के पोल क्षतिग्रस्त होने से रातभर और शनिवार सुबह तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली गुल होने से लोगों को पेयजल आपूर्ति, घरेलू कार्यों और अन्य आवश्यक सेवाओं में परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार सुबह डिस्कॉम की टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बिजली व्यवस्था बहाल करने का कार्य शुरू किया। कर्मचारियों को गिरे हुए पोलों और टूटे तारों को हटाने तथा क्षतिग्रस्त लाइनों की मरम्मत करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिनभर चले मरम्मत कार्य के बाद कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति धीरे-धीरे सामान्य की गई। वहीं दूसरी ओर, लंबे समय से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बारिश से राहत मिली। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात से जहां एक ओर नुकसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर गर्मी से राहत मिलने से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी मौसम में बदलाव की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने तथा टूटे हुए बिजली तारों से दूर रहने की अपील की है।

आईबी अधिकारी बन धमकाने के आरोप में गुजरात आआपा प्रमुख सहित दो गिरफ्तार

एजेंसी, आणंद/वडोदरा

गुजरात में आम आदमी पार्टी (आआपा) के भीतर चल रहे कथित आंतरिक विवाद का एक बड़ा मामला सामने आया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का फर्जी अधिकारी बनकर पार्टी कार्यकर्ताओं को धमकाने के आरोप में आणंद साइबर क्राइम पुलिस ने वडोदरा आम आदमी पार्टी अध्यक्ष अशोक ओझा और आणंद निवासी नितिन पटेल को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। कुछ समय पहले आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक पोस्ट साझा कर आरोप लगाया था कि गुजरात में एक मोबाइल नंबर से पार्टी कार्यकर्ताओं को आईबी अधिकारी बनकर धमकाया जा रहा है तथा उन्हें पार्टी छोड़ने या राजनीतिक गतिविधियां बंद करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इसी दौरान आणंद के आआपा कार्यकर्ता केशव चौहान को भी उसी नंबर से धमकी भरा फोन आया था। इसके बाद उन्होंने आणंद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित मोबाइल नंबर की तकनीकी जांच शुरू की। इस जांच में सामने आया कि उक्त मोबाइल नंबर आणंद निवासी नितिन पटेल के नाम पर सक्रिय था। पुलिस ने नितिन पटेल को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो मामले में बड़ा खुलासा हुआ। पूछताछ के दौरान नितिन पटेल ने कथित रूप से स्वीकार किया कि वडोदरा आआपा अध्यक्ष अशोक ओझा उसके मोबाइल नंबर का उपयोग करते थे और उन्हीं के कहने पर फर्जी आईबी अधिकारी बनकर कॉल किए गए थे।

पश्चिम बंगाल में लागू होगा एनएचएम, केंद्र ने मंजूर किए 2103 करोड़ : मुख्यमंत्री

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) लागू किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 2103 करोड़ की मंजूरी दी है, जिनमें से 527 करोड़ रुपये की पहली किस्त राज्य को प्राप्त हो चुकी है। कोलकाता में स्वास्थ्य विभाग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र से प्राप्त धनराशि का उपयोग स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना के तहत 1.36 करोड़ से अधिक परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से राज्य की बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

यह भी कहा कि राज्य के जिला अस्पतालों की निगरानी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं। इन नियंत्रण कक्षों के माध्यम से अस्पतालों के कामकाज की नियमित समीक्षा की जाएगी और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी तथा आम लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

एनजीटी ने एम्स के पर्यावरण प्रबंधन योजना को सराहा अन्य सरकारी अस्पतालों में भी लागू करने का दिया सुझाव

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के परिसर और उसके आसपास वायु प्रदूषण से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा तैयार की गई "अस्पतालों के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना" की सराहना की है। साथ ही न्यायाधिकरण ने सुझाव दिया कि आवश्यक संशोधनों और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बदलावों के साथ इस योजना को देश के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी लागू किए जाने की संभावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

यह मामला एम्स, दिल्ली और उसके आसपास बढ़ते वायु प्रदूषण तथा उसके स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों को लेकर दायर याचिका से संबंधित था। ममले की सुनवाई के दौरान एनजीटी ने पाया कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा तैयार की गई पर्यावरण प्रबंधन योजना मुख्य रूप से एम्स, दिल्ली की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। हालांकि, न्यायाधिकरण का मानना है कि इस योजना के कई प्रावधान अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकते हैं।

अपने आदेश में एनजीटी ने कहा कि यदि इस योजना में आवश्यक परिवर्तन और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधन किए जाएं, तो इसे देशभर के सरकारी अस्पतालों में लागू किया जा सकता है। इससे अस्पताल परिसरों में पर्यावरणीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपायों को भी बढ़ावा मिलेगा। न्यायाधिकरण ने कहा कि अस्पतालों में स्वच्छ और प्रदूषण-मुक्त वातावरण मरीजों, चिकित्सकों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इससे पहले एनजीटी ने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति का गठन किया था। समिति को अस्पताल परिसरों और उनके आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का दायित्व सौंपा गया था। सुनवाई के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने न्यायाधिकरण के समक्ष एक शपथपत्र प्रस्तुत कर जानकारी दी कि "अस्पतालों के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना" तैयार कर ली गई है और इसे मंत्रालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य अस्पताल परिसरों में पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन, वायु गुणवत्ता सुधार तथा हरित उपायों को बढ़ावा देना है। एनजीटी ने मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इस पहल से न केवल एम्स बल्कि देश के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी पर्यावरणीय मानकों को मजबूत करने में सहायता मिलेगी।

तंबाकू,नशे का बदलता स्वरूप और आधुनिक दौर की चुनौती- आजतक राजनीतिक सामाजिक या व्यक्तिगत संगठनों द्वारा तंबाकू व नशीली चीजों के विरुद्ध उग्र आंदोलन क्यों नहीं चलाया यह विचारणीय प्रश्न ?क्या हम एक मूक सामूहिक हत्या के मूकदर्शक बने हुए हैं?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

- तंबाकू निषेध दिवस 31 मई 2026 मनाने के साथ शासन प्रशासन विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों,नगर निकायों,सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, चिकित्सक समुदाय,मीडिया और राजनीतिक दलों को साथ मिलकर सशक्त राष्ट्रव्यापी उग्र तंबाकू निषेध आंदोलन चलाने की जरूरत?
- तंबाकू निषेध नशा मुक्त भारत- अगर भ्रष्टाचार,आरक्षण, नागरिकता, कृषि कानून, क्षेत्रीय पहचान या सामाजिक न्याय के प्रश्न राष्ट्रीय बहस और जनआंदोलन का विषय बन सकते हैं, तो नशा मुक्त संपूर्ण क्रांति आंदोलन क्यों नहीं बना? एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हर वर्ष 31 मई को पूरी दुनियाँ में वर्ल्ड नों टोबैक्को अर्थात विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। हर वर्ष इस अवसर पर भाषण होते हैं, शपथ ली जाती है, पोस्टर लगाए जाते हैं और तंबाकू के दुष्परिणामों पर चर्चा होती है।लेकिन एक कड़वा प्रश्न आज हमारे सामने खड़ा है,क्या केवल एक दिन का यह प्रतीकात्मक आयोजन उस भयावह महामारी को रोक सकता है जो प्रतिदिन लाखों लोगों के शरीर में कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और फेफड़ों की घातक बीमारियों का जहर घोल रही है? भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में नागरिकता कानून,आरक्षण,भ्रष्टाचार,किसानों की समस्याएं,भाषा विवाद, जल-जंगल-जमीन के प्रश्न, मंडल -कमंडल की राजनीति, जनलोकपाल आंदोलन, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे बड़े जनांदोलनों का रूप ले चुके हैं।सड़कों पर लाखों लोग उतरते हैं,संसद और विधान सभाओं में बहस होती है, सरकारें झुकती हैं और नीतियां बदलती हैं।परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल का माध्यम से शासन प्रशासन व समाज से पूछना चाहता हूं कि तंबाकू, जो हर वर्ष लाखों परिवारों को उजाड़ देता है, आज भी उतना बड़ा राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन क्यों नहीं बन पाया? जब किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकूजनित कैंसर से मरता है, जब किसी बच्चे का पिता गुटखा या सिगरेट के कारण असमय दुनियाँ छोड़ देता है, जब किसी मां की आंखों के सामने उसका जवान बेटा निकोटीन की लत का शिकार होकर जीवन हार जाता है, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रह जाती,बल्कि यह राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है। मेरे अपने एक निकट संबंधी की मृत्यु भी तंबाकूजनित कैंसर के कारण हुई। ऐसे हजारों-लाखों परिवारों का दर्द यह संकेत देता है कि अब तंबाकू निषेध को केवल स्वास्थ्य अभियान नहीं बल्कि एक व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम तंबाकू व नशीली चीजों के खिलाफ़ बहुत बड़े आंदोलन की करें तो तंबाकू निषेध आंदोलन को इस तरह के आंदोलन समक़क्ष बनाने की जरूरत है जैसे भारतीय लोकतंत्र का इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जब किसी मुद्दे को जनआंदोलन का रूप मिला, तब उसने सरकारों की नीतियों,कानूनों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित किया। वर्ष 1974 का जेपी आंदोलन (संपूर्ण क्रांति आंदोलन), वर्ष 1990 का मंडल आयोग आरक्षण आंदोलन 1980 और 1990 के दशक का राम जन्मभूमि आंदोलन,वर्ष 2011 का अन्ना हजारे के नेतृत्व वाला भ्रष्टाचार विरोधी जनलोकपाल आंदोलन, वर्ष 2019- 20 का नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी आंदोलन, वर्ष 2020-21 का कृषि कानूनों के विरुद्ध किसान आंदोलन, वर्ष 2015 और उसके बाद विभिन्न राज्यों में हुए पटीदार आरक्षण आंदोलन,जाट आरक्षण आंदोलन, मराठा आरक्षण आंदोलन, गुर्जर आरक्षण आंदोलन तथा हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में जातीय, सामाजिक और क्षेत्रीय पहचान से जुड़े आंदोलनों ने यह सिद्ध किया है कि संगठित जनदबाव लोकतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।इन आंदोलनों ने न केवल राजनीतिक विमर्श को प्रभावित किया बल्कि सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए भी बाध्य किया। आज 30 मई 2026 से महाराष्ट्र में शुरू हुआ मनोहर जरांगे का मराठा आरक्षण आंदोलन सहित देश के अनेक हिस्सों में सामाजिक, जातीय और आरक्षण से जुड़े आंदोलन लगातार सुर्खियों में हैं, जो यह दर्शाते हैं कि जनता जब किसी विषय को अपने अस्तित्व, अधिकार या भविष्य से जोड़ लेती है तो वह एक विशाल जनशक्ति का रूप धारण कर लेता है। तो फिर तंबाकू व नशीली चीजों के विरुद्ध ऐसा आंदोलन किसी राजनीतिक सामाजिक या व्यक्तिगत संगठन में क्यों नहीं उठाया है यह विचारणीय प्रश्न है? साथियों, पिछले एक दशक में नशे का स्वरूप तेजी से बदला है। कभी बीड़ी, सिगरेट और तंबाकू की पुड़िया तक सीमित रहने वाला यह कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीक के आवरण में युवाओं के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। ई- सिगरेट, वेप्स, निकोटीन पॉड्स, फ्लेवर्ड हुक्के, निकोटीन पाउच और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक धूम्रपान उपकरण आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक के रूप में प्रचारित किए जा रहे हैं। तंबाकू उद्योग ने समझ लिया है कि यदि उसे नई पीढ़ी को अपने जाल में फंसाना है तो उत्पाद का स्वरूप बदलना होगा। इसलिए आज कई वेपिंग उपकरण पेन ड्राइव, स्मार्ट गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक

पेन या स्टाइलिश एक्सेसरी जैसे दिखाई देते हैं। किशोर और युवा इन्हें आधुनिकता, स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक समझने लगते हैं। चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, वनीला, मिंट और अन्य आकर्षक फ्लेवर के माध्यम से निकोटीन को मीठे जहर के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।यह रणनीति केवल व्यापारिकनहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है,क्योंकि स्वाद और आकर्षण के माध्यम से लत को आसान बनाया जाता है। साथियों, सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन आधुनिक उत्पादों को अक्सर पारंपरिक सिगरेट से कम हानिकारक बताने का भ्रम फैलाया जाता है।अनेक युवा यह मान लेते हैं कि वेपिंग सुरक्षित है,जबकि वैज्ञानिक अध्ययनों ने संकेत दिया है कि ई-सिगरेट से निकलने वाला एयरोसोल निकोटीन सहित अनेक हानिकारक रसायनों से भरा होता है। निकोटीन स्वयं अत्यधिक नशे की लत पैदा करने वाला पदार्थ है। इसके अतिरिक्त कई उपकरणों में प्रयुक्त धातुओं, रसायनों और अन्य तत्वों के दीर्घकालिक प्रभाव अभी भी शोध का विषय हैं। इसलिए यह कहना कि आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक धूम्रपान पूरी तरह सुरक्षित है, वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।वास्तव में यह नशे का नया मुखौटा है,जिसका उद्देश्य युवाओं को आकर्षित करना और बाजार का विस्तार करना है।तंबाकू और निकोटीन की इस महामारी का सबसे भयावह पक्ष यह है कि इसका शिकार केवल सेवन करने वाला व्यक्ति ही नहीं होता।पैसिव स्मोकिंग या अप्रत्यक्ष धूम्रपान उन लाखों निर्दोष लोगों की जान ले रहा है जिन्होंने कभी सिगरेट या तंबाकू को हाथ तक नहीं लगाया। घरों, कार्यालयों, रेस्तरां, सार्वजनिक स्थलों और वाहनों में छोड़ा गया धुआं आसपास मौजूद लोगों के शरीर में प्रवेश करता है।बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले व्यक्तियों पर इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करता है तो वह केवल अपने स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि दूसरों के स्वास्थ्य अधिकारों का भी उल्लंघन करता है। यही कारण है कि पैसिव स्मोकिंग को केवल व्यक्तिगत व्यवहार का प्रश्न नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय माना जाता है। साथियों, कई विशेषज्ञों का मानना है कि पैसिव स्मोकिंग के कारण होने वाली मौतों को केवल दुर्घटना याव्यक्तिगत दुर्भाग्य नहीं कहा जा सकता। यह ऐसी स्थिति है जिसमें निर्दोष लोग दूसरों की आदतों के कारण बीमारी औरमृत्यु का शिकार बनते हैं। धुएं में हजारों प्रकार के रसायन पाए जाते हैं, जिनमें अनेक कैंसरकारी तत्व भी शामिल हैं। यही कारण है कि विश्वभर में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंध संबंधी कानून बनाए गए हैं। लेकिन कानून तभी प्रभावी होते हैं जब उनका कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन हो। भारत में भी कई स्थानों पर धूम्रपान निषेध के नियम हैं, परंतु उनका पालन अभी भी चुनौती बना हुआ है। साथियों, यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है कि तंबाकू विरोधी संघर्ष आज तक एक बड़े जनांदोलन का रूप क्यों नहीं ले पाया। इसका पहला कारण यह है कि तंबाकू तत्काल मृत्यु नहीं देता। सड़क दुर्घटना,हिंसा या प्राकृतिक आपदा की तरह इसका प्रभाव अचानक दिखाई नहीं देता। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से नष्ट करता है। कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की बीमारियां वर्षों में विकसित होती हैं। इसलिए जनता का आक्रोश कभी एक साथ विस्फोटक रूप में सामने नहीं आता। दूसरा कारण तंबाकू उद्योग का विशाल आर्थिक ढांचा है। खेती, उत्पादन, वितरण और कर राजस्व से जुड़े अनेक हित इसमें शामिल रहते हैं। तीसरा कारण सामाजिक स्वीकृति है। कई लोग तंबाकू सेवन को व्यक्तिगत पसंद का विषय मानते हैं, जबकि इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। चौथा कारण जागरूकता और क्रियान्वयन के बीच की दूरी है। कानून मौजूद हैं, चेतावनियां मौजूद हैं, लेकिन व्यवहार परिवर्तन अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया है। साथियों, भारत में तंबाकू और अन्य नशे के नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल स्वास्थ्य विभाग की नहीं है।इसमेंपुलिस विभाग, राज्य आबकारी विभाग,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, नारकोटिक्स नियंत्रण एजेंसियां, स्थानीय निकाय, जिला प्रशासन और विभिन्न नियामक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिस प्रकार अवैध शराब से मौतों के मामलों में कई राज्यों में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती रही है, उसी प्रकार तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रभावी पालन को लेकर भी जवाबदेही तय करने की आवश्यकता महसूस की जाती है। जब किसी क्षेत्र में खुलेआम प्रतिबंधित उत्पाद बिकते हैं,जब स्कूलों के आसपास तंबाकू की बिक्री होती है या जब सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के नियम लागू नहीं होते, तब केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। प्रभावी निगरानी, नियमित निरीक्षण, जनभागीदारी और उत्तरदायित्व की स्पष्ट व्यवस्था आवश्यक है। साथियों, आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि नई पीढ़ी नशे को आधुनिकता और स्टेटस सिंबल के रूप में देखने लगी है। सोशल मीडिया,फिल्मों, डिजिटल संस्कृति और समूह दबाव के कारण कई किशोर यह मान बैठते हैं कि वेपिंग या धूम्रपान उन्हें अधिक आकर्षक, परिपक्व या आधुनिक बनाता है।वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। चिकित्सा विज्ञान यह संकेत देता है कि निकोटीन की लत मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है, विशेषकर किशोरावस्था में। कुछ मामलों में ई-सिगरेट से जुड़ी गंभीर फेफड़ों की बीमारियों की भी रिपोर्ट सामने आई हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष चिकित्सीय श्रेणियों में अध्ययन किया गया है। यह स्पष्ट है कि आधुनिक नशे का आकर्षक आवरण उसके भीतर छिपे जोखिमों को समाप्त नहीं करता।इसलिए अब आवश्यकता केवल जागरूकता की नहीं बल्कि सामाजिक चेतना के व्यापक पुनर्जागरण की है। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना होगा। मीडिया को तंबाकू उद्योग के भ्रामक प्रचार का पर्दाफाश करना होगा। चिकित्सकों, शिक्षकों, धार्मिक नेताओं, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें तंबाकू सेवन सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं बल्कि स्वास्थ्य जोखिम के रूप में देखा जाए। जिस प्रकार स्वच्छता, बेटी बचाओ, पोलियो उन्मूलन और सड़क सुरक्षा जैसे अभियानों को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक सफलता मिली, उसी प्रकार तंबाकू निषेध को भी राष्ट्रीय जनअभियान का रूप दिया जा सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस का वास्तविक उद्देश्य केवल एक दिन जागरूकता फैलाना नहीं बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। यदि हम तंबाकू और निकोटीन की बदलती रणनीतियों को नहीं समझेंगे,यदि हम आधुनिक नशे के मुखौटों को नहीं पहचानेंगे और यदि हम युवाओं को इसके जाल से बचाने के लिएसामूहिक प्रयास नहीं करेंगे,तो आने वाली पीढ़ियां इसकी भारी कीमत चुकाएंगी। तंबाकू विरोधी संघर्ष केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि मानव गरिमा, सामाजिक न्याय, आर्थिक सुरक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के संरक्षण का प्रश्न है। समय आ गया है कि इसे केवल एक स्मृति दिवस या सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक सशक्त राष्ट्रीय जनचेतना आंदोलन बनाया जाए। क्योंकि नशा कभी शान नहीं हो सकता; यह व्यक्ति, परिवार और समाज की चेतना का क्षरण है। तंबाकू को ना कहना केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

घुमंतू जातियों में अहिल्याबाई की सफल सोशल इंजीनियरिंग

लेखक - डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

यदि हम भारत की वीर, आध्यात्मिक, शासक, योद्धा, समाज सुधारक, क्रांतिकारी, चिंतक-विचारक, स्थापत्य विशेषज्ञ, राष्ट्रवादी, महिलाओं की चर्चा करें तो कदाचित् हमें हजारों, लाखों मातृ शक्ति की एक सूची बनानी पड़ेगी। किंतु, उपरोक्त सभी गुण किसी एक स्त्री में देखने की दृष्टि का मापदंड यदि हम लगायेंगे, तो संभवतः एक ही नाम सामने आएगा। और, वह नाम होगा, पुण्यश्लोक, लोकमाता, देवी अहिल्याबाई का। अहिल्याबाई में उपरोक्त लिखित सभी गुण एकसाथ विद्यमान थे। संक्षेप में अहिल्या बाई गुणों की एक अनहद खान थी। वह कालखंड बड़ा ही भयंकर व भयावह था जब माता अहिल्या ने शासन की बागडोर अपने हाथों में ली थी। उस समय उनका राज्य विदेशी शक्तियों के अतिरिक्त आंतरिक शत्रुओं से भी भरा पड़ा था। उस समय में मालवा में चहुँओर अशांति का, हाहाकार का वातावरण बना हुआ था। मालवा, मराठों, राजपूतों के कई-कई छत्रप, योद्धा, सूबेदार, सेनापति आदि मालवा की गद्दी पर अहिल्या बाई को विराजित होने से रोकने हेतु कई-कई दुरभिसंधियां कर रहे थे। होलकर परिवार की बहू देवी अहिल्या के सिंहासन पर बैठने के पूर्व का घटनाक्रम कोई सरल, सहज व सीधा-सीधा नहीं था। कई चाले चली गईं, कई भीतरी वार हुए, कई षड्यंत्र हुए, कई संघर्ष हुए, कई विरोधाभास हुए। अहिल्याबाई के कई अपने सगे, सम्बंधी, शुभचिंतक भी अपनेपन का चोला पहनाकर शत्रुओं के ख़ेमे आते-जाते दिखे। उस कालखंड में मध्यप्रदेश के निमाड़ से लेकर मालवा एवं मालवा से लेकर सुदूर राजस्थान तक मुगलों व अंग्रेज़ों के षड्यंत्रों के कारण बड़ी संख्या में विवशता से जातियां अपराधी हो गईं थीं। अंग्रेज अपनी सैन्य शक्ति से जिस क्षेत्र को चाहते उसे कब्ज़ा लेते, वहाँ के संसाधनों पर कब्ज़ा करके उनका मनमाना दोहन करते व वहां के अंग्रेज विरोधी मूल निवासियों को वहाँ से पलायन हेतु विवश कर देते थे। इस क्षेत्र की गोंड, भील, रामोशी जैसी वनवासी जनजाति के लोग जो अपनी शुचिता, श्रम, रचनात्मकता, उत्पादकता, प्रकृति पूजक के रूप में जाने जाते थे वे लोग विदेशी आक्रांताओं के कारण चोर-डकैत कहलाने लगे थे। अंग्रेजों की परतंत्रता को अस्वीकार्य करने वाले इन वीर जनजातीय की समूची जातियों के बाल, आबाल, वृध्दों, निराश्रितों, निःशक्तों को भी शासकीय रूप से अपराधी जाति घोषित कर दिया जाता था। परिस्थिति यह बन गई थी कि ये बेचारे वनवासी बंधु दिन में वनों में ही छिपे रहते थे व बेबस होकर अपने बच्चों व आश्रितों का पेट पालने हेतु अपराध करने लगे थे। इतिहास साक्षी है कि भगवान बड़ादेव या फड़ापेन या महादेव की अनन्य भक्त ये वनवासी बंधु घोर प्रकृति पूजक थे। भारत की वन्य संपदा इन वनवासी बंधुओं के दम पर ही फलती-फूलती थी व भारत को धन-धान्य से लबालब भर देती थी। विदेशी मुस्लिम व ईसाई आक्रांताओं के कारण अब सामाजिक परिदृश्य यह बना कि ये बलिष्ठ व श्रमशील जातियां अपराधी बन गईं। ये लूटपाट करने लगे। मार्गों में यात्रियों का यात्रा करना दूभर हो गया। कौन जाने कब किस मार्ग में ये लुटेरे आ जाएँ और यात्रियों का सबकुछ लूटकर ले जाएँ। लूटने के अतिरिक्त इनमें से कुछ वनवासियों ने आजीविका हेतु एक नई शैली भी अपना ली थी, इसके अन्तर्गत वे वनों के भीतर से निकलने वाले मार्गों के यात्रियों से एक प्रकार का कर वसूलते थे जिसे 'भील कौड़ी' कहा जाता था। वनवासी इस कर की वसूली सख़्ती से करते थे व न देने पर यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करते व दंड देते थे। इस भयपूर्ण वातावरण में लोकमाता अहिल्या ने इस समस्या के मूल को समझा और जाना। अहिल्या बाई केवल एक महारानी या राजा ही नहीं थी। उनके मानस में एक कुशल नीति-निर्माता बसा हुआ था।

राजघाट से शांतिवन- कौन शामिल होते हैं सर्वधर्म प्रार्थना सभा में

विवेक शुक्ला

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर 27 मई को सुबह उनकी समाधि शांतिवन में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इससे पहले ही वहां विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, विद्वान और श्रद्धालु वहां पहुंचने लगे थे। इनमें अधिकांश वे चेहरे थे जो गांधी समाधि राजघाट पर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को भी नियमित रूप से दिखाई देते हैं। ये सभी अपने-अपने धर्मों की पवित्र पुस्तकों से प्रार्थना के दौरान पाठ करते हैं। गत दो-ढाई दशकों से शांतिवन और राजघाट पर बाइबल का पाठ करने वाले जॉर्ज सोलोमन तुर्कमान गेट स्थित ट्रिनिटी चर्च में पादरी हैं। वे दिल्ली और हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैंब्रिज स्कूल की प्रबंधन समिति से भी जुड़े हैं। वे कहते हैं, "भारत में सरकारी स्तर पर सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि यह देश सबका है। बाइबल भी प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।" ये चेहरे वास्तव में भारत की आत्मा हैं, जहें विविधता में एकता जीवित है। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं हमें बार-बार याद दिलाती हैं कि गांधीजी का सपनों का भारत सबका है, जिसमें हर धर्म को सम्मान मिलता है। मकसूद अहमद शांतिवन और राजघाट पर कुरान की आयतें पढ़ते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपतियों के.आर. नारायणन, प्रणव मुखर्जी तथा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भी शामिल हो चुके हैं। एंग्लो अरबी स्कूल में जीव विज्ञान के शिक्षक मकसूद अहमद कहते हैं कि कुछ दिमागी रूप से असंतुलित लोग इन सभाओं की भी आलोचना करने लगे हैं। डॉ. बलदेव आनंद सागर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी की विशेष तिथियों पर सर्वधर्म प्रार्थना में गीता पाठ करते हैं। वे बताते हैं कि पहली बार राजघाट पर इस सभा का हिस्सा बनने पर जो अनुपम अनुभूति हुई, वह आज भी उनके मन में ताज़ा है। राजघाट पर वे गीता के 5-6 श्लोक पढ़ते हैं, जबकि 30 जनवरी मार्ग पर पंचदेव-सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु-की प्रार्थना का पाठ करते हैं। वे मानते हैं कि सनातन परंपरा में इन सभी देवताओं की पूजा अनिवार्य है। सर्वधर्म प्रार्थना का सुंदर विचार महात्मा गांधी ने विश्व को दिया था। उनके जीवनकाल में ही इसकी शुरुआत हुई और आज भी यह परंपरा पूरे जीवंत रूप में मौजूद है। इन सभाओं में बहाई, यहूदी, बौद्ध, जैन और सिख धर्मों के पवित्र ग्रंथों का भी पाठ किया जाता है। सर्वधर्म प्रार्थना का विचार अत्यंत व्यापक और महत्त्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि भारत में अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ बैठकर अपने धर्मग्रंथों के मुख्य संदेशों को साझा कर सकते हैं। इन सभाओं में भाग लेने वालों को 5100 रुपए का मानदेय मिलता है। जॉर्ज सोलोमन विभिन्न स्थानों पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थनाओं में बाइबल का पाठ करते हैं। वे कहते हैं कि नरेंद्र मोदी की सरकार भारत में सबके साथ समान व्यवहार करती है। सरकारी आयोजनों में इन सभाओं का होना भारत सरकार के समान धार्मिक रवैये का प्रमाण है। बाइबल सहित सभी धर्मग्रंथ प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं। गांधीजी को दक्षिण अफ्रीका में बाइबल और ईसाई धर्म को गहराई से समझने का अवसर मिला था। 85 वर्षीय कात्सू सान भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रार्थना सभाओं के अलावा 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को राजघाट तथा 30 जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं की स्थायी उपस्थिति हैं। उन्होंने डॉ. शंकर दयाल शर्मा, के.आर. नारायणन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रणव मुखर्जी, राम नाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी के समक्ष बौद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ी है। नई संसद भवन के भूमिपूजन के समय भी सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इन सभाओं में प्रत्येक धर्म के प्रतिनिधि को 5-6 मिनट का समय दिया जाता है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह कदापि नहीं है कि कोई देश अपनी धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक आस्थाओं को त्याग दे। यह असंभव भी है। भारत के संविधान की मूल प्रति में अर्जुन को गीता का उपदेश देते श्रीकृष्ण की तस्वीर है। भगवान बुद्ध शांति का उपदेश देते दिखते हैं। हिंदू धर्म के प्रतीक शतदल कमल, राम, कृष्ण, नटराज के चित्र भी वहाँ मौजूद हैं। यदि आज ये चित्र लगाए जाते तो कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी इन्हें सांप्रदायिक बताकर विरोध करते। संविधान की मूल प्रति पर मुगल बादशाह अकबर, सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह, मैसूर के सुल्तान टीपू सुल्तान और 1857 की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र भी हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत के लिए धर्मनिरपेक्षता के अर्थ बहुत गहरे हैं। बिना मतलब विवाद खड़े करने वालों को इसे समझना चाहिए। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएँ भारत की साझा संस्कृति और समावेशी लोकतंत्र की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। ये हमें याद दिलाती रहेंगी कि विविधता हमारी ताकत है और एकता हमारा संकल्प।

सिर्फ़ जानवर ज़िबाह मत कीजिये, क़ुर्बानी का जज़्बा भी पहचानिये..

इक़बाल हिंदुस्तानी

मुसलमान साल में दो त्यौहार खासतौर पर मनाते हैं। एक ईद उल फ़ित्र और दूसरा ईद उज्जुहा। इस ईद को ईद ए क़ुर्बान या बकराईद भी कहा जाता है। इस ईद पर साहिब ए हैसियत मुसलमान जानवर की कुर्बानी देते हैं। जानवर के मीट के तीन हिस्से बनाए जाते हैं। एक ख़ुद रखते हैं दूसरा अपने परिचितों को देते हैं और तीसरा ग़रीब और ज़रूरतमंदों को भेजा जाता है। जिस तरह हज के लिये जायज़ कमाई ज़रूरी है, वैसे ही क़ुरबानी के लिए हलाल पैसा खर्च करना शर्त है। इसके साथ ही आप पर किसी का कर्ज़ नहीं होना चाहिए। जो असली बात लोग भूल जाते हैं वो यह है कि जानवर की क़ुरबानी देने के साथ आपके दिल में अल्लाह की राह में इंसानियत मुल्क और आपसी रिश्तों को बचाने के लिए भी क़ुर्बानी का जज़्बा होना चाहिए। यह नहीं हो सकता आप हज़रत इब्राहीम की रस्म पूरी करने के लिए अल्लाह की राह में जानवर तो क़ुर्बान करें लेकिन अगर अपने सगे भाई पड़ौसी या हमवतन के लिए अपने पैसे जायदाद या किसी भी तरह के हित की थोड़ी से कुर्बानी देने की ज़रूरत आए तो पीछे हट जाएं। क़ुरबानी का मकसद अपनी हसद लालच हिंसा टकराव गुस्सा झूठ जुर्म और नफ़रत जैसी तमाम बुराइयों को भी कुरबान करना होता है। अगर सरकार कह रही है सड़क पर नमाज़ मत पढ़ो तो यह जानते हुए भी कि दूसरे धर्म के लोगों को ऐसा नहीं कह रही है, हम इसलिए रोड पर इबादत नहीं करेंगे क्योंकि इससे राहगीरों को आने जाने में तकलीफ़ होती है और अपने किसी भी मज़हबी काम से किसी को तकलीफ़ देना इस्लाम ने मना किया है। बाक़ी लोग क्या करते हैं और सरकार उनको क्यों करने देती है यह मुसलमानों का मामला नहीं है। मुसलमानों को अच्छी बातें सीखनी हैं उनपर अमल करना है और दूसरे लोगों से बेहतर मिसाल पेश करनी है। ऐसे लोगों के लिए ही शायर ने कहा है_

मकतब ए इश्क का दस्तूर निराला देखा,
उसको छुट्टी न मिली जिसने सबक़ याद किया।

फ्रेंच ओपन में उलटफेर का दौर

● फोंसेका ने नोवाक जोकोविच हराया ● कोलिंगन ने शेल्टन को हराया ● जानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर

उलटफेर का शिकार हुए नोवाक जोकोविच, फोंसेका ने रोमांचक मुकाबले में हराया

पेरिस । ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने बड़ा उलटफेर करते हुए तीन बार की चैंपियन नोवाक जोकोविच को तीसरे राउंड में हराकर फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर कर दिया। दो सेट से पिछड़ने के बाद फोंसेका ने मुकाबले में जबरदस्त वापसी की और हर किसी को अपने खेल से चौंका दिया। पहले दो सेट के बाद फोंसेका के चेहरे पर निराशा दिख रही थी, जबकि जोकोविच दोनों सेट जीतकर मैच पर पूरी तरह से दबदबा बनाए हुए थे। हालांकि, ब्राजील के खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच को 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हरा दिया। क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में यह दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है। जोकोविच से पहले जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। नतीजतन, पुरुषों के सिंगल्स मुकाबले में अब खिताब जीतने की दौड़ और ज्यादा खुली हो गई है, और कई खिलाड़ियों के पास जीतने का अच्छा मौका है। फोंसेका ने लगभग 4 घंटे 53 मिनट तक चले लंबे और कड़े मैच में जीत दर्ज की। चौथे सेट में 3-4, 15/40 पर सर्व करते समय फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे, लेकिन 28वीं वरीयात प्राप्त वाले खिलाड़ी ने उन दो ब्रेक पॉइंट को रोक दिया और उस मोमेंटम का फायदा उठाते हुए जोकोविच को निर्णायक सेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया। मैच के दौरान जोकोविच कई बार थके हुए और शारीरिक रूप से परेशान नजर आए। इसके बावजूद 39 वर्षीय खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और निर्णायक पांचवें सेट में शुरुआत में ही 3-1 की बढ़त हासिल कर ली। फोंसेका ने फिर से वापसी की। उन्होंने आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत हासिल की। 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंड्री रुबलेव को हराने के बाद, यह किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी दूसरी जीत है। जोकोविच के खिलाफ अपने पहले टूर-लेवल मुकाबले में जीत हासिल करके फोंसेका ने इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर (टीनेजर) खिलाड़ी बन गए हैं। फोंसेका पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचे हैं।

कोलिंगन ने शेल्टन को हराया

फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। मेंस सिंगल्स में राफेल कोलिंगन ने अब पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। कोलिंगन ने यह मुकाबला सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 6-4 से जीता और तीसरे राउंड में जगह बना ली। कोलिंगन की इस जीत के साथ टॉप हाफ ड्रॉ में अब सिर्फ एक टॉप-8 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ही बचा है। दो घंटे, तीन मिनट की इस जीत में कोलिंगन ने 49 में से 43 फर्स्ट-सर्व पॉइंट हासिल किए और उन्हें कभी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। फ्रेंच ओपन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 62वें नंबर के खिलाड़ी राफेल कोलिंगन ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वे पिछले 13 सालों में पहले ऐसे बेल्जियन खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में टॉप-5 सीड खिलाड़ी को हराया है। इससे पहले यह कारनामा 13 साल पहले कोच डार्सिस ने विंबलडन में राफेल नडाल को हराकर किया था। पिछले साल सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में भी राफेल कोलिंगन ने बड़ा उलटफेर किया था, जब उन्होंने एलेक्स डी मिनौर को हरा दिया था। यह उनकी दूसरी बार किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत थी। इस टूर्नामेंट में चौथे सीड फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ही टॉप हाफ में अकेले बचे हुए टॉप-8 सीड खिलाड़ी रह गए थे, यानी बाकी बड़े खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके थे। कोलिग्नन का अगला मुकाबला इटली के माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने 2021 में फाइनल में पहुंचने वाले स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(2), 5-7, 6-3, 6-2 से हराया। दूसरे मुकाबलों में, ऑगर-अलियासिमे ने अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा को 4-6, 6-0, 7-5, 6-1 से हराया और कोबोली ने वू यिबिंग को 6-4, 6-4, 6-4 से मात दी।

जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर जानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर

फ्रेंच ओपन में गुरुवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टूर्नामेंट में एकल खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे इटली के जानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर को अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने 3-6, 2-6, 7-5, 6-1, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ ही सिनर का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का सपना टूट गया। पांच सेट तक चले इस मुकाबले में जब सिनर अपने दूसरे राउंड के मैच के तीसरे सेट में 5-1 से आगे चल रहे थे, तब ऐसा लग रहा था कि जीत उनकी ही होगी। लेकिन, अचानक सिनर को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या हुई। 24 साल के सिनर ने दो बार मैच को अपने नाम करने के लिए सर्विस की, लेकिन दोनों बार वह नाकाम रहे। इसके अलावा, 5-4, 0/40 के स्कोर पर उन्हें कोर्ट से बाहर जाकर मेडिकल सुविधा लेनी पड़ी। उसके बाद सिनर कभी फिट नहीं हो पाए।

विनेश फोगाट एशियाड ट्रायल में नया मोड

WFI केवल 50 किलो वर्ग में लेने देगा हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ और स्टार पहलवान विनेश फोगाट के बीच विवाद एक नया मोड़ ले सकता है चूंकि राष्ट्रीय महासंघ ने उसे एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में सिर्फ महिलाओं के 50 किलो वर्ग में भाग लेने की अनुमति देने का फैसला किया है। डब्ल्यूएफआई सूत्रों के अनुसार महासंघ के अधिकारियों ने उसके पसंदीदा भारवर्ग को लेकर पुष्टि का इंतजार किया, लेकिन दो बार की विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश की ओर से शुक्रवार रात तक उन्हें कोई सूचना नहीं मिली। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने विनेश फोगाट को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। विनेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 समेत पिछले कुछ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में 50 किलो वर्ग में ही भाग लिया था लिहाजा वह इसी भारवर्ग में उतरेंगी। महासंघ के सूत्र ने बताया, 'मुख्य कोच और तकनीकी अधिकारियों के लिये यह जानना जरूरी है कि कौन सा पहलवान किस भारवर्ग में उतरेगा। हमने देर शाम तक इंतजार किया लेकिन कोई ईमेल, मैसेज या औपचारिक सूचना विनेश की तरफ से नहीं मिली।' **ट्रायल कड़े नियमों के तहत होंगे-** समझा जाता है कि विनेश 53 किलो वर्ग में उतरने की तैयारी कर रही है और इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर में ही अभ्यास कर रही हैं जहां ट्रायल होने हैं ।

वैभव ने रचा इतिहास

IPL में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी की किस्मत ने एक बार फिर से उनके साथ दगा किया और वो एलिमिनेटर के बाद दूसरे क्वालिफायर में भी शतक के करीब आकर 96 रन पर रबाडा की गेंद पर कैच आउट हो गए। वैभव ने गुजरात के खिलाफ खेली इस पारी के दौरान इस लीग में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। उन्होंने साई सुदर्शन और डेवोन कॉनवे के इस रिकॉर्ड को भी तोड़ा। **वैभव ने तोड़ा साई सुदर्शन का रिकॉर्ड-** वैभव ने आईपीएल में सिर्फ 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए और वो अब इस लीग में सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। वैभव ने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने ये कमाल सिर्फ 25 पारियों में किया था। इस लिस्टमें तीसरे नंबर पर रजत पाटीदार हैं जिन्होंने ऐसा 30 पारियों में किया था।

व्यापार

सगाई छोड़कर घर से भाग गई, इस एक कदम ने बदल दी जिंदगी

अब करोड़ों के कारोबार की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। आनल कोटक की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। वह गुजरात की रहने वाली हैं। उन्होंने समाज और परिवार की रूढ़िवादी सोच के आगे झुकने से इनकार कर दिया। वह पारंपरिक व्यापारिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्हें पहले होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई से रोका गया। फिर जब सगाई तय कर दी गई तो उन्होंने अपने सपनों के लिए बड़ा रिस्क उठाया। सगाई की रस्मों के बीच सुबह 4 बजे घर से भागकर वह टीवी शो का ऑडिशन देने पहुंच गईं। इस एक कदम ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। आज आनल इंटरनेशनल रेस्टोरेंट ब्रांड 'द सीक्रेट किचन' की मालकिन हैं। उनकी गिनती देश की जानी-मानी सेलिब्रिटी शेफ में बन चुकी है। वह करोड़ों की कमाई कर रही हैं। आइए, यहां आनल कोटक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आनल कोटक का जन्म पारंपरिक गुजराती परिवार में हुआ। उनके पिता चाहते थे कि वह या तो यूपीएससी पास करें या सीए-सीएस बनें। इसके उलट आनल की दिलचस्पी कुकिंग और होटल मैनेजमेंट में थी। लेकिन, परिवार ने इसकी इजाजत नहीं दी। इसके कारण उन्होंने बी.कॉम, सीएस और फैशन डिजाइनिंग जैसे अलग-अलग कोर्स किए। उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट 20 साल की उम्र में आया। तब उनकी सगाई की रस्में चल रही थीं। उन्होंने अपनी मौसी की मदद से सुबह 4 बजे चुपके से घर छोड़ दिया ताकि वह 'रसोई महारानी' टीवी शो का ऑडिशन दे सकें। इस ऑडिशन ने उनकी जिंदगी बदल दी। वह शो की विनर ही नहीं बनीं। बजाय इसके उन्होंने गुजरात की सबसे कम उम्र की कुकिंग एक्सपर्ट के रूप में पहचान बनाई।

आनल अपनी दादी और नानी को सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। इन दोनों से उन्होंने सीखा कि पेशेवर कुकिंग सिर्फ शौक नहीं है। इसके बजाय हर दिन एक जैसी कंसिस्टेंसी बनाए रखने की साइंस है। सिर्फ 12 साल की उम्र में रामनवमी के एक कार्यक्रम के दौरान कैटरर के न आने पर उन्होंने अपनी नानी की देखरेख में 50 लोगों का खाना खुद तैयार किया था। अपने ससुर और पिता से बिजनेस के गुर सीखते हुए उन्होंने माना कि बॉस बनने से पहले कर्मचारी बनना जरूरी है। इसी सोच के साथ उन्होंने शुरुआत में किचन के बेहद दबाव वाले माहौल में रोज 12 घंटे खड़े रहकर काम किया ताकि वह ग्राउंड-लेवल की बारीकियों को समझ सकें। लोकल टीवी शो पर सफलता और शादी के बाद परिवार के सहयोग से अनल ने बेंगलुरु और मुंबई से प्रोफेशनल कुकिंग की ट्रेनिंग ली। बाद में ऑस्ट्रेलिया से रिमोटली अपनी कुकिंग डिग्री पूरी की। साल 2017 में उन्होंने वडोदरा में अपने पहले रेस्टोरेंट 'द सीक्रेट किचन' की शुरुआत की। इसके इंटीरियर और क्रॉकरी के लिए वह खुद 20 दिन चीन में रहीं। उनके रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी यूएसपी लुप्त हो चुकीं क्षेत्रीय भारतीय रेसिपीज को आधुनिक अंदाज में पेश करना है। मसलन, उनकी नानी की रेसिपी पर आधारित 'मूंग ढोकला' और पिंजरे में परोसा जाने वाला अनोखा 'केज समोसा'।

आरबीआई के लिए वरदान बनी रुपये की गिरावट !

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा लेनदेन से आय वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 52 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से 1.11 लाख करोड़ रुपये का विनिमय लाभ अर्जित किया था। आरबीआई ने रुपये की गिरावट और करेंसी मार्केट में उथलपुथल को थामने के लिए बाजार में जमकर डॉलर की बिकवाली की। पिछले फाइनेंशियल ईयर में डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में करीब 9.5 फीसदी गिरावट आई। इस दौरान आरबीआई ने स्पॉट मार्केट में रेकॉर्ड 53.13 अरब डॉलर झोंके। केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर की बिक्री की और इससे उसके 1.69 लाख करोड़ रुपये की इनकम हुई।

विदेशी स्रोतों से आरबीआई की कुल इनकम पिछले फाइनेंशियल ईयर में 27 फीसदी बढ़कर 3.28 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। आरबीआई फाइनेंशियल ईयर 2026 के लिए सरकार को रेकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपये का सरप्लस ट्रांसफर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि 31 मार्च 2026 तक आरबीआई का कुल बहीखाता आकार 15.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गया। परिसंपत्ति पक्ष पर वृद्धि घरेलू निवेश, स्वर्ण भंडार और विदेशी निवेश में क्रमशः 44.9 प्रतिशत, 63.8 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण दर्ज की गई। पहुंची आरबीआई ने 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से 1.11 लाख करोड़ कमाए थे पिछले फाइनेंशियल ईयर में डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 9.5 फीसदी गिरा था इसे रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने स्पॉट मार्केट में रेकॉर्ड 53.13 अरब डॉलर झोंके।

और सस्ता हुआ क्रूड, उधर मुंबई में पेट्रोल 111 तो डीजल 97 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल लगातार सस्ता हो रहा है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी शनिवार, 30 मई 2026, को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। मतलब कि बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस हैं। इससे पहले बीते सोमवार यानी 25 मई 2026 को पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपये और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये की बढोतरी की गई थी। इन कंपनियों ने दिल्ली में 11 दिनों में ही प्रति लीटर पेट्रोल 7.35 रुपये तो डीजल 7.82 रुपये महंगा कर चुके हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहले बताया था कि सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। लेकिन चार चरणों में दाम बढ़ाने के बाद यह घट गया है। कल ही मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि अब यह घाटा कम हो कर हर रोज करीब 750 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, पिछले साल इंडियन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने 77,821 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में इस समय पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर 1,380 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक आज दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है।

23.5% घटी नोटों की छपाई की कॉस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का करेंसी नोट छापने पर होने वाला खर्च 2025-26 में घटा है। यह 23.5% घटकर 4,875.2 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल यह 6,372.8 करोड़ रुपये था। इसकी वजह यह रही कि इस साल नोटों की छपाई का ऑर्डर कम दिया गया। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वहीं, रिपोर्टों के मुताबिक, 500 रुपये का एक नया नोट छापने की लागत सिर्फ 2 रुपये 29 पैसे आती है। छपाई की लागत में यह कमी तब आई है, जब मार्च 2026 के आखिर में चलन में मौजूद नोटों की कुल कीमत तेजी से बढ़कर 41.23 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह एक साल पहले 36.86 लाख करोड़ रुपये थी। यानी इसमें करीब 11.8% की बढ़ोतरी हुई। इससे पता चलता है कि आरबीआई ने करेंसी की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए कम संख्या में, लेकिन ज्यादा कीमत वाले नोट छापे। क्रेडिट-टू-जीडीपी रेशियो भी मार्च 2026 के आखिर में अपने नए सबसे ऊंचे स्तर 61.8% पर पहुंच गया। एक साल पहले के 57.4% से यह काफी ज्यादा है। यह दिखाता है कि अर्थव्यवस्था में कुल मिलाकर बढ़ोतरी की रफ्तार बनी रहने के साथ बैंकों की ओर से दिए जाने वाले कर्ज में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। डिजिटल करेंसी के मामले में सर्कुलेशन में मौजूद ई-रुपये की वैल्यू 31 मार्च, 2026 तक घटकर 771.7 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले यह 1,016.5 करोड़ रुपये थी। यह 24.1% की गिरावट दिखाती है कि आरबीआई का सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पायलट अपनी पहुंच बढ़ाने की लगातार कोशिशों के बावजूद यूजर्स के बीच अभी तक कोई खास पकड़ नहीं बना पाया है। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए अपना एजेंडा बताते हुए आरबीआई ने कहा कि 2026-27 के लिए उसका करेंसी मैनेजमेंट सेंट्रल बैंक ने कहा कि नोटों के प्रोडक्शन में देश में ही आत्मनिर्भरता बनाए रखना (यानी स्वदेशीकरण), नोटों के डिजाइन की उम्र और सुरक्षा को बढ़ाना और सर्कुलेशन में मौजूद नोटों की क्वालिटी को बेहतर बनाना, उसके लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने रहेंगे।

चलन में सबसे ज्यादा 500 रुपये का नोट

500 रुपये का नोट अब भी सबसे ज्यादा चलन में है।चलन में मौजूद कुल नोटों की कीमत में इसकी हिस्सेदारी 85.5% है। यह कीमत 35.27 लाख करोड़ रुपये बैठती है। इसके 705.48 करोड़ नोट चलन में हैं। यह कुल नोटों की संख्या का 41.2% हिस्सा है। मार्च 2026 के आखिर में करेंसी-टू-जीडीपी अनुपात बढ़कर 12.1% हो गया। यह मार्च 2025 के आखिर में 11.7% था। इससे पता चलता है कि डिजिटल पेमेंट में तेजी से बढ़ोतरी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लोग अब भी कैश को ही ज्यादा पसंद करते हैं। नोटबंदी के बाद यह अनुपात मार्च 2021 में दर्ज किए गए अपने सबसे ऊंचे स्तर 14.4% से काफी नीचे है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)